Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

रविवार | 22 नबम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 221 पृष्ठः 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010



2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 83919.71
निफ्टी 25800.60

सर्राफा बाजार

सोना 1,26,565.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 1,75,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

गाजियाबाद में भाजपा को झटका

गाजियाबाद। प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों में नेताओं के आने-जाने का सिलसिला तेज हो गया है। इसी बीच गाजियाबाद की लोनी विधानसभा सीट की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। लंबे समय से भाजपा में सक्रिय नेता अनिल कसाना उर्फ अनिल प्रमुख ने पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है।

राजस्थान में सर्दी का सितम

जयपुर। देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। उत्तर भारत में ठंड बढ़ने के साथ सुबह और रात के समय सर्दी का असर तेज हो गया है। राजस्थान के माउंट आबू में न्यूनतम तापमान गिरकर शून्य डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। कड़ाके की ठंड के चलते वाहनों पर ओस जम गई। वहीं, प्रदेश के छह शहरों में शनिवार रात पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया।

विक्रमशिला एक्सप्रेस से दिल्ली गांजा ले जाने की साजिश नाकाम

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले के सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेल पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी के एक मामले का खुलासा किया। सुरक्षाबलों ने 32 किलो 190 ग्राम गांजे के साथ एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया है। दोनों पर गांजे की खेप दिल्ली ले जाने की तैयारी करने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, तस्करों ने गांजे को आठ बैगों में छिपाकर रखा था। पुलिस की नजर से बचने के लिए बैगों में पुराने कपड़ों के बीच मादक पदार्थ रखा गया था।

10 जिंदगिया निगल गये दो सड़क हादसे

● सेना के जवानों के परिवार के सात लोगों की गई जान ● केशोद में कार पलटने के बाद लगी आग, तीन लोग जिंदा जले

यूथ इंडिया, कच्छ

शनिवार की रात और रविवार की सुबह सड़क हादसों के नाम रही। अलग-अलग जिलों में हुए दो दर्दनाक हादसों ने 10 परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। कच्छ में तेज रफ्तार ट्रक और कार के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और तीन मासूम बच्चे शामिल हैं। इनमें महज तीन महीने की एक बच्ची भी थी। हादसे में कार की हालत इतनी खराब हो गई कि वह टक्कर के बाद दो हिस्सों में बंट गई। कार सवार सभी लोग उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र के रहने वाले थे और भुज में तैनात सेना के जवानों के परिवारों से संबंधित थे।

दूसरी घटना रविवार तड़के जूनागढ़ जिले के केशोद-बालागाम मार्ग पर हुई। यहां तेज रफ्तार स्विफ्ट कार मोड़ पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पत्थर से टकराने के बाद पलट गई। इसके तुरंत बाद कार में आग लग गई। वाहन में चार लोग सवार थे, जिनमें तीन की जिंदा जलने से मौत हो गई, जबकि कार में मौजूद इम्प्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा शीशा टूटने के कारण बाहर खेत में जा गिरीं और उनकी जान बच गई। लगातार हुए इन हादसों ने एक बार फिर तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रण ऑफ कच्छ से लौटते समय काल बनी ट्रक की टक्कर

कच्छ में पहला हादसा शनिवार रात करीब 10 बजे हुआ। जानकारी के मुताबिक, कार में सवार सातों लोग रण ऑफ कच्छ घूमने के बाद भुज लौट रहे थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे पर सामने से आ रहे ट्रक से कार की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर दो हिस्सों में अलग हो गई। हादसे में कार सवार किसी भी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका।

मृतकों में सौरभ सिंह नेगी (30), उनकी पत्नी सविता (30) और उनकी तीन महीने की बेटी शिविका शामिल हैं। इनके अलावा राजेश सिंह रावत (35), उनकी सात वर्षीय बेटी रक्षित, रिंकी गोसाई (30) और उनकी चार वर्षीय बेटी वामिका ने भी हादसे में दम तोड़ दिया। एक ही परिवार और परिचितों से जुड़े लोगों की इस तरह मौत से उनके परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।



मलबे में बुरी तरह फंसे थे शव, कई घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

ट्रक से टकराने के बाद कार पूरी तरह पिचक गई थी। वाहन का ढांचा इतना क्षतिग्रस्त हो गया था कि उसमें फंसे लोगों को बाहर निकालना बचाव दल के लिए बड़ी चुनौती बन गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे। कार के मलबे में फंसे शवों को निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद सभी शवों को बाहर निकाला जा सका।

हादसे में ट्रक भी क्षतिग्रस्त हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सभी मृतक उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र के रहने वाले थे और भुज में तैनात सेना के जवानों के परिवारों से जुड़े थे। घूमने के बाद परिवारों की भुज वापसी का सफर रास्ते में ही हमेशा के लिए खत्म हो गया।

केशोद में मोड़ पर बेकाबू हुई कार, पलटते ही लगी आग

दूसरा हादसा रविवार सुबह करीब पांच बजे जूनागढ़ जिले के केशोद-बालागाम रोड पर घामिडाना गांव के नजदीक हुआ। बताया गया कि लाल रंग की स्विफ्ट कार जूनागढ़ से माधवपुर की ओर जा रही थी। कार में दो महिलाएं और दो पुरुष सवार थे। रास्ते में एक मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। कार सड़क किनारे लगे पत्थर से टकराकर पलट गई।

हादसे के कुछ ही देर बाद कार में आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि उसमें फंसे तीन लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। इस दुर्घटना में नंदनी पोपट, डेनिस दिवराणिया और झलक मशरू की मौत हो गई। तीनों की उम्र करीब 25 से 27 वर्ष के बीच बताई गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और आपातकालीन सेवा 112 की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

टूटा शीशा बना कृष्णा चूड़ासमा के लिए जीवनरक्षक

इस हादसे में कार सवार इम्प्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा की जान बच गई। बताया जा रहा है कि वह कार की अगली सीट पर बैठी थीं। दुर्घटना के दौरान टक्कर से कार का शीशा टूट गया और वह वाहन से बाहर निकलकर पास के खेत में जा गिरीं। इस तरह वह आग की चपेट में आने से बच गईं।

घटना के बाद स्थानीय लोगों और राहत टीमों की मदद से उन्हें एंबुलेंस के जरिए केशोद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। कार में सवार बाकी तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक ही वाहन में सफर कर रहे चार लोगों में से तीन की मौत और एक के बचने की इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी।

प्रधानमंत्री ने जताया शोक, मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख की सहायता

कच्छ में हुए भीषण हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

घोषणा के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। वहीं, दुर्घटना में घायल लोगों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

गुजरात में कुछ ही घंटों के अंतराल पर हुए इन दोनों हादसों ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। कच्छ में जहां एक साथ सात लोगों की मौत हुई, वहीं केशोद में आग की चपेट में आई कार ने तीन युवाओं की जान ले ली। दोनों घटनाएं सड़क पर सावधानी, नियंत्रित गति और यातायात नियमों के पालन की अहमियत को फिर से रेखांकित करती हैं।

यूपी के सभी 75 जिलों में आज शाम 6 बजे ब्लैकआउट मॉकड्रिल, सीएम योगी पुलिस लाइन से करेंगे निरीक्षण

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में आज शाम छह बजे नागरिक सुरक्षा विभाग की ओर से एयर रेड ब्लैकआउट मॉकड्रिल आयोजित की जाएगी। इस अभ्यास का उद्देश्य युद्ध जैसी स्थिति और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशासन की तैयारियों को परखना है। इसके तहत प्रदेशभर में नागरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं का परीक्षण किया जाएगा।

मॉकड्रिल के दौरान सभी जिलों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत अस्थायी रूप से बिजली आपूर्ति बंद की जाएगी। इस दौरान हवाई हमले की चेतावनी देने वाला सायरन करीब दो मिनट तक बजाया जाएगा। इसके जरिए नागरिकों और संबंधित विभागों को आपातकालीन संकेतों तथा सुरक्षा व्यवस्था के प्रति जागरूक किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस अभ्यास का निरीक्षण करेंगे। वह शाम छह बजे पुलिस लाइन पहुंचकर मॉकड्रिल की गतिविधियों को देखेंगे। इस दौरान नागरिक सुरक्षा विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों की तैयारियों का जायजा लिया जाएगा। संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभ्यास पूरा करने की जिम्मेदारी दी गई है।

इस मॉकड्रिल के माध्यम से पुलिस, प्रशासन, नागरिक सुरक्षा और अन्य आपातकालीन सेवाओं की कार्यक्षमता को परखा जाएगा। इसका उद्देश्य किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई और बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना है। नागरिकों को प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप में आज भारत-पाकिस्तान की टक्कर

दोहा। राइजिंग स्टार्स एशिया कप में आज क्रिकेट प्रेमियों को भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। भारत-ए और पाकिस्तान-ए की टीमें दोहा में दोपहर 3:30 बजे आमने-सामने होंगी। दोनों देशों के बीच इस महीने यह तीसरा मुकाबला होगा। ऐसे में क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें इस मैच पर टिकी हैं। इससे पहले अंडर-19 एशिया कप में दोनों टीमों के बीच दो बार भिड़ंत हो चुकी है।

अमित शाह के अरुणाचल दौरे का आखिरी दिन आज

यूथ इंडिया, ईटानगर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अरुणाचल प्रदेश दौरे का आज अंतिम दिन है। इस दौरान वह राज्य में सहकारी क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। उनके दौरे को राज्य में विकास और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गृह मंत्री अमित शाह सहकारी सम्मेलन में शामिल होंगे और इस दौरान सहकारी विकास से संबंधित विजन डॉक्यूमेंट 2047 जारी करेंगे। इस दस्तावेज के माध्यम से वर्ष 2047 तक सहकारी क्षेत्र के विकास की दिशा और संभावित लक्ष्यों को सामने रखा जाएगा।

इसके अलावा अमित शाह होलोंगी में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की 12वीं बटालियन के परिसर का उद्घाटन करेंगे। इस परिसर के शुरू होने से क्षेत्र में आपदा प्रबंधन और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

गृह मंत्री के इस दौरे को अरुणाचल प्रदेश में सहकारी संस्थाओं के विस्तार और आपदा प्रबंधन क्षमता बढ़ाने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। सहकारी क्षेत्र के लिए विजन डॉक्यूमेंट 2047 और एनडीआरएफ परिसर की सौगात से राज्य के विकास तथा सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।



नासिरपुर में कार्डबोर्ड फैक्ट्री और गोदाम में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के द्वारका जिले स्थित नासिरपुर गांव में रविवार सुबह कार्डबोर्ड बनाने वाली फैक्ट्री और उसके गोदाम में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के इलाके में दूर तक धुएं का गुबार दिखाई देने लगा। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल गाड़ियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ाकर नौ कर दी गई।

प्रधानमंत्री मोदी को मिला पाकिस्तान जाने का न्योता

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



एससीओ सभ्यतागत संवाद मंच पर पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मसूद मलिक का बदला हुआ रुख चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल रिपॉजिटरी प्रस्ताव की सराहना करते हुए उन्हें पाकिस्तान आने का न्योता दिया। उनके इस बयान को भारत-पाकिस्तान संबंधों के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है।

मंच पर अपने संबोधन के दौरान मुसादिक मसूद मलिक ने प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल रिपॉजिटरी से जुड़े विचार की प्रशंसा की। उन्होंने इस पहल को ज्ञान, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को पाकिस्तान आने का निमंत्रण भी दिया।

मुसादिक मलिक के इस बयान की इसलिए भी चर्चा हो रही है, क्योंकि इससे पहले वह भारत को लेकर सख्त और आलोचनात्मक बयान दे चुके हैं। ऐसे में भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनका सकारात्मक रुख राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है।

विशेषज्ञों की नजर अब इस बात पर है कि उनके इस बयान का भारत-पाकिस्तान के आपसी संबंधों पर कोई प्रभाव पड़ता है या नहीं। हालांकि, किसी एक बयान को दोनों देशों के रिश्तों में बड़े बदलाव का संकेत मानना जल्दबाजी होगी। फिलहाल प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्ताव की सराहना और पाकिस्तान आने के न्योते ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई चर्चा छेड़ दी है।

भूकंप के हल्के झटकों से डोली धरती,

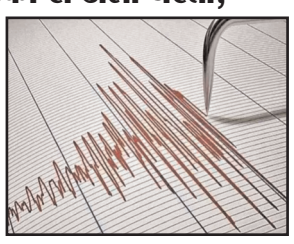

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। सुबह-सुबह धरती हिलने से आसपास के क्षेत्रों में लोगों को कंपन का एहसास हुआ। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.8 दर्ज की गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप सुबह 6 बजकर 29 मिनट और 2 सेकंड पर आया। इसकी गहराई जमीन से करीब आठ किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र शिमला जिले में स्थित था, जो राजधानी शहर से लगभग 67 किलोमीटर दूर बताया गया है। भूकंप के केंद्र की भौगोलिक स्थिति 31.422 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 77.783 डिग्री पूर्वी देशांतर दर्ज की गई। कम तीव्रता का भूकंप होने के कारण इसके झटके सीमित क्षेत्रों में महसूस किए गए। सुबह के समय कंपन महसूस होने से स्थानीय लोगों में कुछ देर के लिए हलचल रही। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार भूकंप से किसी बड़े नुकसान या जनहानि की खबर सामने नहीं आई है। विशेषज्ञों के अनुसार हिमालयी क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील है, इसलिए यहां समय-समय पर भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं। प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

भाजपा ने छह जिलों में अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष किए घोषित, इन जिलों में मिली नई जिम्मेदारी

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम उठाया है। पार्टी ने प्रदेश के छह जिलों में अनुसूचित जाति मोर्चा के नए जिलाध्यक्षों की घोषणा की है। इन नियुक्तियों के जरिए संगठन में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

भाजपा की ओर से मेरठ, अलीगढ़, ललितपुर, चित्रकूट, वाराणसी और सिद्धार्थनगर जिलों में नए जिलाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। इन नियुक्तियों को पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

पार्टी ने पश्चिम, ब्रज, कानपुर, काशी और गोरखपुर क्षेत्रों में अनुसूचित जाति मोर्चा की संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी हैं। नए पदाधिकारियों से उम्मीद की जा रही है कि वे अपने-अपने जिलों में संगठन को सक्रिय करने और पार्टी की नीतियों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का काम करेंगे।

भाजपा संगठन का मानना है कि इन नियुक्तियों से अनुसूचित जाति मोर्चा की गतिविधियों को गति मिलेगी और जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ मजबूत होगी। हालांकि, नियुक्त किए गए सभी जिलाध्यक्षों के नाम और उनकी विस्तृत सूची उपलब्ध जानकारी में नहीं दी गई है।

जैकेट में 3.85 लाख रुपये छिपाकर नेपाल ले जा रहा नेपाली नागरिक गिरफ्तार

यूथ इंडिया, सिद्धार्थनगर



भारत-नेपाल सीमा पर अवैध रूप से भारतीय मुद्रा ले जाने के मामले में सशस्त्र सीमा बल की 50वीं वाहिनी ने बड़ी कार्रवाई की है। बढ़नी कंपनी के जवानों ने एक नेपाली नागरिक को 3.85 लाख रुपये की भारतीय मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सीमा पर नियमित जांच के दौरान की गई।

एसएसबी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 20 नवंबर को 50वीं वाहिनी एसएसबी बलरामपुर की जी समवाय बढ़नी के जवान भारत-नेपाल सीमा स्थित जांच चौकी पर तैनात थे। इसी दौरान एक संदिग्ध नेपाली नागरिक की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसकी जैकेट से 500 रुपये के 770 नोट बरामद हुए। जांच में बरामद भारतीय मुद्रा की कुल कीमत 3 लाख 85 हजार रुपये पाई गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, संबंधित व्यक्ति इस रकम को नेपाल ले जाने की कोशिश कर रहा था।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर भावुक हुए अखिलेश यादव

यूथ इंडिया, लखनऊ



समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अखिलेश यादव भावुक नजर आए और उन्होंने नेताजी के समाजवादी सिद्धांतों, विचारों तथा मानवीय मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प दोहराया।

अखिलेश यादव ने अपने पिता मुलायम सिंह यादव से मिलीं जीवन की दो महत्वपूर्ण सीख भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद करना और हमेशा दूसरों के दुख-दर्द को समझना जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य होना चाहिए। नेताजी ने उन्हें सिखाया कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के साथ खड़े रहना ही सच्ची इंसानियत है।

उन्होंने रिश्तों को लेकर मिली दूसरी सीख का जिक्र करते हुए कहा कि गलतफहमियों के बावजूद यदि कोई व्यक्ति निस्वार्थ भाव से रिश्तों को सुधारने की कोशिश करता है, तो उसके प्रयासों को स्वीकार करना चाहिए। रिश्तों में उदारता, विश्वास और मानवीय संवेदनाएं बनाए रखना बेहद जरूरी है।

अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी के विचार और उनके द्वारा दिए गए संस्कार हमेशा मार्गदर्शन करते रहेंगे। मुलायम सिंह यादव का जीवन संघर्ष, सामाजिक न्याय और गरीबों के अधिकारों के लिए समर्पित रहा। उनके सिद्धांतों और विचारों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सीएम योगी के 'मौलाना बहुत मचल रहा है' वाले बयान पर ओवैसी का पलटवार

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के बीच गठबंधन के बाद प्रदेश की राजनीति में नए सियासी समीकरण बनने लगे हैं। इसी गठबंधन को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ओवैसी पर तीखा हमला बोला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा में ओवैसी का नाम लिए बिना उन्हें हैदराबाद से आया मौलाना बताते हुए कहा कि वह उत्तर प्रदेश में बहुत मचल रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे आने पर पता चल जाएगा कि हैदराबाद भाग्यलक्ष्मीपुरम बन गया है। सीएम के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है।

योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा और हैदराबाद से आए लोग एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं।

पहले टेस्ट में भारत का दबदबा, 352 रन की बढ़त के साथ न्यूजीलैंड के दो विकेट झटके



वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन टेस्ट में भारतीय टीम ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। रविवार को मैच के चौथे दिन भारत ने पहली पारी 720 रन पर 9 विकेट के नुकसान के साथ घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट गंवाकर 119 रन बना लिए। डेवोन कॉन्वे 59 और रचिन रवींद्र 27 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारत को पहली पारी के आधार पर 352 रन की विशाल बढ़त मिली। टीम की ओर से केएल राहुल ने 136 रन और ऋषभ पंत ने 128 रन की शानदार पारियां खेलीं। दोनों बल्लेबाजों ने शतक लगाकर भारतीय स्कोर को मजबूती दी। कप्तान शुभमन गिल 98 रन बनाकर शतक से चूक गए। वहीं यशस्वी जायसवाल ने 85, देवदत्त पडिक्कल ने 80 और ध्रुव जुरेल ने 78 रन बनाए। इन सभी बल्लेबाजों के अर्धशतकों की बदौलत भारत ने विशाल स्कोर खड़ा किया। इससे पहले न्यूजीलैंड की पहली पारी 368 रन पर सिमट गई थी। 352 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में उतरी कीवी टीम को भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआती झटके दिए।

एटा में दूल्हा-दुल्हन की स्कॉर्पियो रोडवेज बस से टकराई, चार घायल

● शादी की खुशियों के बीच हुआ हादसा, दूल्हा-दुल्हन समेत चार लोगों को मेडिकल कॉलेज में कराया गया भर्ती

यूथ इंडिया, एटा



जिले में स्कॉर्पियो कार और रोडवेज बस के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार दूल्हा-दुल्हन समेत चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को एटा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, हादसा थाना बागवाला क्षेत्र के किलरमऊ गांव के पास हुआ। यहां दूल्हा-दुल्हन समेत अन्य लोग स्कॉर्पियो कार में सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार की रोडवेज बस से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार चार लोग घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर घायलों को अस्पताल भिजवाया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों की निगरानी में सभी का उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो कार और रोडवेज बस को कब्जे में लेकर थाने भिजवा दिया है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, फर्रुखाबाद
ई-निविदा सूचना

पत्रांक 2135/4ए **दिनांक:16.11.2026**

1-महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग निर्माण में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

2-

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार के पंजियन की श्रेणी
1	2		4	5	6	7	8
1	फर्रुखाबाद	विशेष मरम्मत के कार्य -					
2		वित्तीय वर्ष 2026-27 में विशेष योजनान्तर्गत मुरादाबाद मरम्मत चन्दौसी बदायूँ फर्रुखाबाद मार्ग (एस0एच0-43) मार्ग में पूर्व से निर्मित 6 मी0 से कम स्पान की पुलियों / रपटों की मरम्मत / सुधार का कार्य।	32.00	3.20	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	2 माह	ए, बी, सी एवं डी मार्ग श्रेणी में पंजीकृत
3		वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद फर्रुखाबाद के अन्तर्गत दैवीय आपदा/भीषण बाढ़ / अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग हजियापुर झौआ शिकारपुर फर्रुखाबाद मार्ग के किमी0 18 में विशेष मरम्मत का कार्य।	31.50	3.15	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	2 माह	ए, बी, सी एवं डी मार्ग श्रेणी में पंजीकृत
4		वित्तीय वर्ष 2026-27 में विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत पितौरा पोषक मार्ग (अन्य जिला मार्ग) की मरम्मत / सुधार का कार्य।	11.00	1.10	Tender Cost+StationeryCharges+TT Rs.854.00	2 माह	ए, बी, सी एवं डी मार्ग श्रेणी में पंजीकृत

3-बिड डाक्यूमेंट बेबसाइड www.etender.up.nic.in पर दिनाक 23.11.2026 से 30.11.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक उपलब्ध जोकि दिनांक 30.11.2026 दोपहर 12:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओं की तकनीकी बिड उसी कार्य दिवस दिनांक 30.11.2026 समय 12.30 (अपरान्ह) ऑनलाइन खोली जायेगी।

निविदा से सम्बंधित नियम / शर्ते तथा विवरण बेबसाइड www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड कया जाना है, को साथ ही साथ लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के प्रहरी पोर्टल पर भी अपलोड करना होगा।

4- निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है।

आर0ओ0 सं0: 261437
दिनांक: 20.11.2026

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0,
फर्रुखाबाद

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, फर्रुखाबाद
ई-निविदा सूचना (द्वितीय बार)

पत्रांक 2148/4ए **दिनांक: 17.11.2026**

1-महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग निर्माण में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

2-

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार के पंजियन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
		रोड सेफटी योजना के अर्तगत कार्य (स्वीकृत)					
1	फर्रुखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज सकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग-097सी) पर कम्पिल चौराहा / आबादी भाग पर सड़क सुरक्षा का कार्य।	5.10	0.51	Tender Cost+Stationery C harges+TT Rs.854.00	02 माह	ए, बी, सी, एवं डी श्रेणी के हेड साइकल में पंजीकृत ठेकेदार के पंजियन किया जायेगा।

3-बिड डाक्यूमेंट बेबसाइड www.etender.up.nic.in पर दिनाक 23.11.2026 से 28.11.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक उपलब्ध जोकि दिनांक 28.11.2026 दोपहर 12:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओं की तकनीकी बिड उसी कार्य दिवस दिनांक 28.11.2026 समय 12.30 (अपरान्ह) ऑनलाइन खोली जायेगी।

निविदा से सम्बंधित नियम / शर्ते तथा विवरण बेबसाइड www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड कया जाना है, को साथ ही साथ लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के प्रहरी पोर्टल पर भी अपलोड करना होगा।

4- निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है।

आर0ओ0 सं0: 261397
दिनांक: 20.11.2026

(अशोक कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0,
फर्रुखाबाद

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, फर्रुखाबाद

पत्रांक: 2137/4ए **दिनांक: 16.11.2026**

निविदा आमंत्रण सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 में पंजीकृत निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0.सं0./ लॉट सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्रा का मल्य व जीएसटी सहित	ठेकेदार के पंजियन की श्रेणी
1	कम्पिल रुदायन से लोधीपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	6.40	0.64	2 Month	854.00	ए, बी, सी, डी (मार्ग)
2	कायमगंज कम्पिल मार्ग से लखनपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	5.90	0.59	2 Month	854.00	ए, बी, सी, डी (मार्ग)
3	धर्मपुर लखनपुर सम्पर्क मार्ग से हनुमान गढ़ी मन्दिर वाया याकून नगला सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	6.20	0.62	2 Month	854.00	ए, बी, सी, डी (मार्ग)
4	बल्वलपुर लिंक रोड से खजुन्ना नगला सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	3.00	0.30	2 Month	854.00	ए, बी, सी, डी (मार्ग)
5	बिलहा भरतूपुर मार्ग से धौनपुरा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	6.20	0.62	2 Month	854.00	ए, बी, सी, डी (मार्ग)

लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 में पंजीकृत एवं पात्र ठेकेदारों से दिनांक 23.11.2026 से 28.11.2026 तक सायं 04:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 30.11.2026 दोपहर 12:30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में निविदा पेटिका में डाली जायेगी। दिनांक 30.11.2026 को दोपहर 02:00 बजे जिलाधिकारी के कार्यालय में उपस्थित ऑथोराइज्ड रजिस्टर्ड फर्म के प्रतिनिधि के समक्ष गठित समिति के सदस्यों द्वारा खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में टेक्निकल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

आर0ओ0 सं0: 261377
दिनांक: 20.11.2026

(अशोक कुमार)
अधिशासी अभियन्ता नि0ख0,
लो0नि0वि0, फर्रुखाबाद

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
कन्नौज-फर्रुखाबाद वृत्त, लो0नि0वि0, कन्नौज

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

पत्रॉक: 5219M/39M-K.F.V./2026/P.D.F. **दिनांक: 16.11.2026**

1. महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0.सं0	खण्ड का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा पपत्र का मूल्य व जीएसटी सहित (रू0)	ठेकेदार के पंजियन की श्रेणी
1	नि0ख0 फर्रुखाबाद	जलालाबाद शमशाबाद मोहम्मदाबाद सौरिख विधूना मार्ग (एस0एच0-163) पर हॉट मिक्स प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	365.00	20.25	5 माह	2714.00	ए (मार्ग श्रेणी)
2	नि0ख0 फर्रुखाबाद	फर्रुखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग (एम0डी0आर0-098सी) पर हॉट मिक्स प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	153.00	9.65	5 माह	2714.00	ए एवं बी (मार्ग श्रेणी)
3	नि0ख0 फर्रुखाबाद	अटैनाघाट गंगा नदी के पुल से कम्पिल होते हुए अलीगंज (एटा) अन्य जिला मार्ग पर हॉट मिक्स प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	82.00	6.10	2 माह	2714.00	ए एवं बी (मार्ग श्रेणी)
4	नि0ख0 फर्रुखाबाद	डबरी राजेपुर कड़क्का कुतलूपुर गोटिया मार्ग (अन्य जिला मार्ग पर) हॉट मिक्स प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	120.00	1.00	5 माह	2714.00	ए एवं बी (मार्ग श्रेणी)
5	नि0ख0 फर्रुखाबाद	कुम्हरौर से खुशहाली नगला वाया पंचम सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	47.00	4.35	2 माह	2714.00	ए एवं बी (मार्ग श्रेणी)

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाइट https://etender.up.nic.in पर दिनांक 23.11.2026 से 30.11.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक उपलब्ध है जो दिनांक 30.11.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 30.11.2026 को दोपहर 12:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी।

निविदाए प्रहरी साफ्टवेयर पर अपलोड की जायेगी तथा निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा, जिसका विवरण निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है। निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, को साथ ही साथ लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के पोर्टल चाणक्य के प्रहरी सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी अपलोड करना होगा।

टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा। निविदा आमंत्रणकर्ता को संशोधन, शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा तथा समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होगा। समस्त इच्छुक निविदादाता निविदा से सम्बन्धित समस्त नियम व शर्तें http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

आर0ओ0 सं0: 261444
दिनांक: 20.11.2026

(अशोक कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
फर्रुखाबाद

(सनत गुप्तरिशी)
अधीक्षण अभियन्ता
कन्नौज-फर्रुखाबाद वृत्त
लो0नि0वि0, कन्नौज

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड - फर्रुखाबाद

पत्रांक- 573/ ग्रा0अ0वि0/ निविदा सूचना/2026-27 **दिनांक-16.11.2026**

ई-टेन्डर नोटिस

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-फर्रुखाबाद द्वारा उ0प्र0, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में ए, बी, सी, डी श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से प्रतिशत दरों में अधोलिखित कार्य हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा दाता को सलाह दी जाती है कि बिड में आई.टी.बी. के क्लॉज-4 में अंकित निविदा हेतु न्यूनतम योग्यता जिसके द्वारा निविदा स्वीकृति की जायेगी का भलीभांति अध्ययन कर लें।

2.

क्र0.सं0./ लॉट सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अंकलित धराशि (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा मल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सम्मलित करते हुए)
1	2	3	4	5	6	7
1	फर्रुखाबाद	ग्राम सलेमपुर में सर्वेनद्र की दुकान से ह्रदोई बार्डर तक सीसी रोड का कार्य।	13.80	27600.00	725+ GST	3 माह
2	फर्रुखाबाद	ग्राम हुसैनपुर बांरग में मेन फर्रुखाबाद मंझना मार्ग से अजय पाल के घर तक सीसी रोड व आवश्यकतानुसार नाली।	14.41	28900.00	800+ GST	3 माह
3	फर्रुखाबाद	ग्राम कुम्हरौर में प्रभाकर त्रिवेदी के यहां से वीरभान सिंह के घर तक सीसी रोड व आवश्यकतानुसार नाली।	14.04	28100.00	725+ GST	3 माह
4	फर्रुखाबाद	ग्राम पंचायत दौलतियापुर में बारात घर का निर्माण कार्य।	19.31	38700.00	800+ GST	3 माह
5	फर्रुखाबाद	राजेपुर में राजकीय बालका छात्रावास जमापुर में बाउड्रीवॉल का निर्माण।	16.38	32800.00	800+ GST	3 माह

3 बिड डाक्यूमेन्ट आनलाइन दिनांक 10.12.2026 से दिनांक 15.12.2026 तक उपलब्ध है।

4. ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समयः दिनांक 15.12.2026 (समय दोपहर 12:00 बजे तक)।

5 ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने के तिथि एवं समयः दिनांक 16.12.2026 (समय दोपहर 12:00 बजे से)।

6. निविदा आंमत्रितकर्ता को संशोधन / शुद्धि पत्र जारी करने का पूर्ण अधिकार है जो आनलाइन उपलब्ध रहेगा एवं समाचार पत्रों में प्रकाशित नही होगा। समस्त इच्छुक विडर्स को सलाह दी जाती है कि वे ई-टेण्डर पोर्टल से नियमित रूप से चेक करते रहें।

अन्य आवश्यक जानकारी एवं निविदा प्रपत्र डाउन लोड करने हेतु http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

आर0ओ0 सं0: 261431
दिनांक: 20.11.2026

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड- फर्रुखाबाद

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
कन्नौज-फर्रुखाबाद वृत्त, लो0नि0वि0, कन्नौज

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

पत्रॉक : 5220M/39M-K.F.V./2026/P.D.F. **दिनांक: 16.11.2026**

1. महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0.सं0./ लॉट सं0	खण्ड का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्रा का मल्य व जीएसटी सहित	ठेकेदार के पंजियन की श्रेणी
1	नि0ख0 फर्रुखाबाद	वित्तीय वर्ष 2026-27 में विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत दैवीय आपदा/भीषण बाढ़/अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त डबरी राजेपुर कड़क्का कुतलूपुर गोटिया मार्ग की मरम्मत / सुधार का कार्य।	57.00	4.85	2 माह	2714.00	ए, बी, सी (मार्ग श्रेणी)
2	नि0ख0 फर्रुखाबाद	वित्तीय वर्ष 2026-27 में विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत अचरा पिपराभोजी तिलौट गुठना सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य।	74.00	5.70	2 माह	2714.00	ए, बी एवं सी (मार्ग श्रेणी)
3	नि0ख0 फर्रुखाबाद	वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद फर्रुखाबाद के अन्तर्गत दैवीय आपदा/भीषण बाढ़ एवं अत्यधिक वर्षा के कारण कम्पिल रूदायन मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य।	144.00	9.20	2 माह	2714.00	ए एवं बी (मार्ग श्रेणी)
4	नि0ख0 फर्रुखाबाद	वित्तीय वर्ष 2026-27 में विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत कम्पिल कायमगंज मोहम्मदाबाद अटैनाघाट संकिसा मार्ग (एम0डी0आर0-097सी) के किमी0 10 में रायपुर चिन्हट आबादी भाग में नाला निर्माण का कार्य।	76.00	5.80	2 माह	2714.00	ए एवं बी (मार्ग श्रेणी)

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाइट https://etender.up.nic.in पर दिनांक 23.11.2026 से 30.11.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक उपलब्ध है जो दिनांक 30.11.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 30.11.2026 को दोपहर 12:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी।

निविदाए प्रहरी साफ्टवेयर पर अपलोड की जायेगी तथा निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा, जिसका विवरण निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है। निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, को साथ ही साथ लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के पोर्टल चाणक्य के प्रहरी सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी अपलोड करना होगा।

टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा। निविदा आमंत्रणकर्ता को संशोधन, शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा तथा समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होगा। समस्त इच्छुक निविदादाता निविदा से सम्बन्धित समस्त नियम व शर्तें http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

आर0ओ0 सं0: 261390
दिनांक: 20.11.2026

(अशोक कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
फर्रुखाबाद

(सनत गुप्तरिशी)
अधीक्षण अभियन्ता
कन्नौज-फर्रुखाबाद वृत्त
लो0नि0वि0, कन्नौज

संक्षिप्त समाचार

'कुछ लोगों की जगह कोई नहीं ले सकता' : जेनसन के मुरीद हुए डोनाल्ड ट्रंप, जमकर की तारीफ

शेनझेन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के लिए जासूसी के विवाद में घिरे एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेनसन हुआंग का समर्थन किया है। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को अपने प्रतिभाशाली लोगों का ख्याल रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह बेहद प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं। हमें अपनी प्रतिभाओं का ख्याल रखना चाहिए। ऐसे लोग बहुत ज्यादा नहीं हैं। राष्ट्रपति का यह समर्थन ऐसे समय में आया है, जब एनवीडिया का बोर्ड हुआंग की कंपनी में वापसी की संभावनाओं को खारिज कर चुका है। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप ने चीनी कारोबारी महिला एलिस हुआंग को 'खूबसूरत महिला' बताया और कहा कि वह जासूस नहीं, बल्कि चिप खरीदने वाली एक कारोबारी हैं। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बातचीत को लेकर ट्रंप ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत का मुख्य विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) था। जेनसन के मुद्दे पर ट्रंप ने कहा, 'हमने इस बारे में चर्चा नहीं की। हो सकता है मैंने इसका जिक्र बहुत संक्षेप में किया हो, क्योंकि यह बहुत बड़ी त्रासदी है। यह एक त्रासदी है। वह बेहद प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं। हमें अपनी प्रतिभाओं का ख्याल रखना चाहिए। ऐसे लोग बहुत ज्यादा नहीं हैं।

ट्रंप-पुतिन का भव्य स्वागत, जापानी पीएम को ठंडा रिस्पॉन्स! एपेक में चीन का कूटनीतिक संदेश

बीजिंग , एजेंसी। चीन के शेनझेन में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया है। बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहुंचे। इनका भव्य स्वागत किया गया वहीं जापान की पीएम सनाए ताकाइची के प्रति रिस्पॉन्स बेहद ठंडा दिखा। ग्लोबल मीडिया में ये चर्चा का विषय है। चीन के इस कूटनीतिक व्यवहार को जापान के साथ ताइवान को लेकर जारी तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। एपेक सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे विभिन्न देशों के नेताओं का सैन्य बैंड, फूलों के गुलदस्तों और वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया तो जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची को अपेक्षाकृत कम तवज्जो मिली। द गार्जियन की रिपोर्ट में इसका जिक्र किया गया है। ताकाइची जब शेनझेन बाओआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचीं तो उनके स्वागत के लिए चीन की पूर्व राजदूत झांग कियुए मौजूद थीं। उनके साथ सीमित संख्या में गार्ड ऑफ ऑनर के जवान थे। इसके विपरीत, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत करने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग खुद हवाई अड्डे पहुंचे। ट्रंप के स्वागत में सैन्य सम्मान, बच्चों और बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी भी रही। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का स्वागत शी जिनपिंग के करीबी वरिष्ठ कम्युनिस्ट पार्टी नेता काई छी ने किया। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को भी भव्य स्वागत मिला। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, चीन और जापान के बीच मौजूदा तनाव की प्रमुख वजह ताइवान को लेकर ताकाइची का बयान है।

चीन: डोनाल्ड ट्रंप से मिले मार्क कार्नी, कनाडाई पीएम और अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्यापार समझौते पर की चर्चा

शेनझेन, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। यह मुलाकात चीन के शेनझेन में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के इतर हुई। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर चर्चा की। कार्नी ने कहा कि वे काम जारी रखने पर सहमत हुए हैं। कार्नी ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने शेनझेन में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि बैठक में एक ऐसे व्यापार समझौते पर बात हुई। यह समझौता अच्छे रोजगार पैदा करेगा और सामर्थ्य को बढ़ावा देगा। साथ ही यह कनाडा की भाषाओं, संस्कृति और संप्रभुता का सम्मान करेगा। कार्नी ने यह भी बताया कि दोनों नेता संपर्क बनाए रखने पर सहमत हुए। उन्होंने बातचीत जारी रखने की बात कही। यह बैठक दोनों पड़ोसी देशों के बीच चल रहे व्यापार तनाव के बीच हुई। अक्तूबर 24 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि कनाडा ने व्यापार असंतुलन के जरिये अमेरिका का वर्षों से फायदा उठाया है। ट्रंप ने दावा किया कि कनाडा अमेरिका की कीमत पर भारी लाभ कमा रहा है। उन्होंने कहा कि कनाडा वर्षों से अमेरिका से 90 अरब डॉलर प्रति वर्ष का लाभ कमा रहा है। ट्रंप ने यह भी कहा कि वे एक ऐसे समझौते के करीब हैं जो अमेरिका के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

वेनेजुएला और अमेरिका के बीच सैन्य समझौता: हेगसेथ बोले- प्रशिक्षण से लेकर खुफिया जानकारी तक करेंगे साझा

काराकास, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला ने अपने सैन्य संबंधों को दोबारा स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को वेनेजुएला की राजधानी करकस में इसकी जानकारी दी। समझौते के तहत दोनों देश सैन्य प्रशिक्षण से लेकर खुफिया जानकारी साझा करने तक सहयोग बढ़ाएंगे।

हेगसेथ ने कहा कि जनवरी में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किए जाने के बाद दोनों देशों के संबंधों में बदलाव आया है। उनके मुताबिक, वेनेजुएला अब अमेरिका के लिए क्षेत्रीय सुरक्षा खतरे के बजाय सहयोगी बन गया है।

उन्होंने कहा कि अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के साथ करीबी सहयोग से वेनेजुएला को स्थिर करने और नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े आतंकी नेटवर्क को खत्म करने में मदद मिली है। हालांकि, पेंटागन ने नए सैन्य समझौते की शर्तों और उसके दायरे को लेकर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।

अंतरिम राष्ट्रपति ने भी सैन्य सहयोग का किया समर्थन : वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने भी दोनों देशों के बीच सैन्य साझेदारी मजबूत करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि वह चाहती हैं कि तकनीकी और सैन्य सहयोग को उच्चतम स्तर तक ले



जाया जाए, ताकि साझा खतरों से निपटा जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन जनवरी में मादुरो को सत्ता से हटाए जाने के बाद से वेनेजुएला में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। हेगसेथ इस साल वेनेजुएला का दौरा करने वाले ट्रंप प्रशासन के मंत्रिमंडल के नवीनतम सदस्य हैं। इससे पहले गृह और ऊर्जा मंत्री भी वहां जा चुके हैं। इन दौरों का मुख्य उद्देश्य वेनेजुएला के तेल भंडार और महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों तक अमेरिकी पहुंच बढ़ाना रहा है। ट्रंप ने अगस्त में कहा था कि हेगसेथ ने अमेरिका को वेनेजुएला के कुछ तेल भंडारों का नियंत्रण दिलाने वाले व्यापक समझौते में अहम भूमिका निभाई थी।

अमेरिकी सैन्य कमांडर भी कर चुके हैं बैठक : अमेरिकी दक्षिणी कमान के प्रमुख जनरल फ्रांसिस डोनोवन भी इस साल वेनेजुएला के अंतरिम अधिकारियों से कम से कम दो बार मुलाकात कर चुके हैं। ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिकी सेना ने पश्चिमी गोलार्ध में अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। ट्रंप ने लैटिन अमेरिकी ड्रग कार्टेल के खिलाफ कार्रवाई को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने और ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों पर लगाम लगाने के लिए अमेरिकी सेना कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में संदिग्ध तस्करी वाली नौकाओं को निशाना बना रही है। सितंबर 2025 से शुरू हुई इन कार्रवाइयों में कम से कम 240 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से इन नौकाओं में नशीले पदार्थ होने के दावों के समर्थन में बहुत कम सबूत जारी किए हैं।

वेनेजुएला में नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता : हेगसेथ का दौरा ऐसे समय हुआ है, जब वेनेजुएला में आने वाले महीनों और वर्षों में देश का नेतृत्व कौन करेगा, इसे लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद उनकी सहयोगी डेल्सी रोड्रिगेज ने अंतरिम राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभाली थी। उनका अदालत से मिली अनुमति के तहत कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो गया था, लेकिन इसके बावजूद वह देश की प्रमुख बनी हुई हैं। विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो भी निर्वासन के बाद हाल ही में वेनेजुएला लौट आई हैं। विपक्षी कार्यकर्ताओं का दावा है कि इससे पहले उनकी वापसी की सात कोशिशें सरकार ने नाकाम कर दी थीं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि मचाडो की सुरक्षित वापसी अमेरिका के समर्थन से हुई सुलह वार्ता का नतीजा थी। उन्होंने इसे पिछले तीन दशकों में वेनेजुएला में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव तथा स्थायी लोकतंत्र की दिशा में सबसे अच्छा अवसर बताया।

तेल समझौते को लेकर ट्रंप प्रशासन का दावा : वेनेजुएला में अगले राष्ट्रपति चुनाव की तारीख घोषित नहीं होने से लोगों के बीच ट्रंप प्रशासन को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया है। मादुरो के सत्ता से हटने पर कई लोग राहत महसूस कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि व्हाइट हाउस ने लोकतांत्रिक सुधारों के बजाय तेल उद्योग को फिर से शुरू करने को प्राथमिकता देकर देश में वास्तविक बदलाव की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि रोड्रिगेज सरकार के साथ हुए ऊर्जा समझौते के तहत वेनेजुएला के तेल की बिक्री से मिली 12 अरब डॉलर से अधिक की रकम, यानी करीब 99 प्रतिशत राजस्व, वापस वेनेजुएला को दिया जा चुका है। यह जानकारी इसी महीने जारी एक रिपोर्ट में दी गई है।

अंटार्कटिका में इंसानी गतिविधियों से दुर्लभ सूक्ष्मजीवों को खतरा, नए Study में खुलासा

हैमिल्टन , एजेंसी। जंगलों और प्राकृतिक क्षेत्रों में घूमने जाने वाले लोगों को आमतौर पर सलाह दी जाती है कि वे वहां केवल अपने पैरों के निशान छोड़कर आएं। हालांकि, एक नए अध्ययन में सामने आया है कि अंटार्कटिका में पैरों के निशान भी दुर्लभ पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं और उनमें ऐसे बदलाव ला सकते हैं, जिनकी भरपाई संभव नहीं है। अंटार्कटिका में दुनिया के कुछ सबसे दुर्लभ और महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद हैं। इनमें मैकमुर्डो ड्राई वैलीज की विशाल बर्फ-मुक्त भूमि की स्थायी रूप से जमी मिट्टी भी शामिल है। यह पृथ्वी के सबसे शुष्क रेगिस्तानी क्षेत्रों में से एक है। कठोर जलवायु परिस्थितियों के बावजूद यहां बर्फ से जमी मिट्टी की परतों में विशिष्ट सूक्ष्मजीव समुदाय और नेमेटोड, टार्डिग्रेड तथा रोटिफर जैसे छोटे अकशेरुकी जीव पाए जाते हैं। ये जीव रेत के कणों के आसपास मौजूद पानी की बेहद पतली परतों में जीवित रहते हैं। अंटार्कटिका के पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया जाता है।

इसके तहत वहां जाने से पहले जूतों और अन्य उपकरणों की व्यापक जांच, सफाई और संक्रमणमुक्त करने के नियम लागू हैं। हालांकि, इन नियमों का मुख्य उद्देश्य बाहरी आक्रामक प्रजातियों को अंटार्कटिका में पहुंचने और फैलने से रोकना है। नए अध्ययन में इस बात की जांच की गई कि क्या इंसान अनजाने में स्थानीय सूक्ष्मजीवों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाकर वहां के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर रहे हैं। स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव का खतरा अंटार्कटिका में अन्य महाद्वीपों की तुलना में बाहरी प्रजातियों की संख्या कम है, लेकिन वहां जैविक आक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। 60 डिग्री दक्षिण अक्षांश के दक्षिण में मिट्टी में रहने वाले स्प्रिंगटेल और माइट जैसे छोटे अकशेरुकी जीवों सहित कम से कम एक दर्जन गैर-स्थानीय प्रजातियां दर्ज की गई हैं।

इनमें कई पौधों की प्रजातियां भी शामिल हैं। ये मुख्य रूप से अनुसंधान केंद्रों और अधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों के आसपास पाई गई हैं। वैज्ञानिक अभियानों, रसद गतिविधियों और पर्यटन सहित मानवीय गतिविधियां बाहरी प्रजातियों के प्रसार का प्रमुख माध्यम हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ने से इन प्रजातियों के अंटार्कटिका में जीवित रहने और फैलने की संभावना भी बढ़ सकती है। फिलहाल, इससे भी बड़ा खतरा अंटार्कटिका के भीतर ही स्थानीय प्रजातियों के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में पहुंचने का है। इसमें पहले से वहां मौजूद और स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल विकसित प्रजातियां अपने प्राकृतिक क्षेत्र से बाहर फैल सकती हैं। इस तरह के प्रसार के लिए सूक्ष्मजीव सबसे संभावित उम्मीदवार हैं। ये पारिस्थितिकी तंत्र में प्राथमिक उत्पादक और पोषक तत्वों के चक्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंटार्कटिका की मिट्टी की अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण दुनिया भर में पाई जाने वाली सामान्य बैक्टीरिया प्रजातियों को भी विशेष रूप से अनुकूलन करना पड़ता है।

अमेरिका: व्हाइट हाउस के अफसरों से मिले हिंदू नेता, हिंदूफोबिया-मंदिरों की सुरक्षा पर उठाई आवाज; रखीं मांगें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हिंदू समुदाय के नेताओं ने सोशल मीडिया पर हिंदू विरोधी बयानबाजी और देशभर में हिंदूफोबिया से जुड़ी घटनाओं को लेकर चिंता जताई है। हिंदू अमेरिकी नेताओं ने बुधवार को व्हाइट हाउस के अधिकारियों के साथ बैठक में ये मुद्दे उठाए। इस दौरान उन्होंने अमेरिका में मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने और अलग-अलग धर्मों के बीच संवाद मजबूत करने की मांग भी की। बैठक में सरकार की नीतियों में हिंदू अमेरिकी समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। यह बैठक वॉशिंगटन में हिंदू सामुदायिक केंद्र और मंदिर 'केशवम' में आयोजित की गई। इसमें व्हाइट हाउस की फेथ डायरेक्टर जेनिफर कोर्न के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ। उनके साथ अमेरिकी विदेश मंत्रालय की वरिष्ठ सलाहकार और फेथ लाइजन बेलसिस रोमेरो भी मौजूद थीं। बैठक में हिंदू स्वयंसेवक संघ-यूएसए, सेवा इंटरनेशनल, बीएपीएस, हिंदू युवा, इस्कॉन, चिन्मय मिशन, आर्ट ऑफ लिविंग, ईशा फाउंडेशन, विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका और श्रीमद राजचंद्र मिशन समेत कई संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान हिंदू अमेरिकी प्रतिनिधियों ने अमेरिका में समुदाय के योगदान के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंदू संगठन आपदा राहत कार्यों, ध्यान और स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों के साथ-साथ सेवा दिवाली जैसे अभियानों के जरिए समाज की मदद कर रहे हैं। सेवा दिवाली के तहत जरूरतमंद लोगों के लिए खाद्य सामग्री जुटाई जाती है। इसके साथ ही प्रतिनिधियों ने सोशल मीडिया पर बढ़ती हिंदू विरोधी टिप्पणियों और अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों में सामने आ रही हिंदूफोबिया की घटनाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने अधिकारियों से मंदिरों की सुरक्षा बेहतर करने के लिए जरूरी कदम तलाशने का आग्रह किया। हिंदू अमेरिकी नेताओं ने अंतरधार्मिक संवाद को बढ़ावा देने और अलग-अलग समुदायों के बीच विश्वास और समझ विकसित करने पर भी जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने अमेरिकी संघीय नीतियों से जुड़ी चर्चाओं में हिंदू समुदाय के विचारों को शामिल करने और सरकारी स्तर पर उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने की जरूरत बताई।

'हमें किसी की जरूरत नहीं': ईरान से जंग में चीन-रूस की मदद लेने से ट्रंप का इनकार, कहा- समझौता चाहता है तेहरान

शेन्जेन, चीन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से जुड़े मौजूदा संघर्ष को खत्म करने के लिए चीन और रूस से मदद लेने की संभावना को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि तेहरान, वाशिंगटन के साथ समझौता करना चाहता है। साथ ही दावा किया कि अमेरिकी सैन्य अभियानों ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर दिया है। फॉक्स न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की नौसेना, वायु सेना और एंटी-एयरक्राफ्ट प्रणालियों को हरा दिया है। साथ ही यह भी कहा कि उस देश की मिसाइल क्षमताओं में काफी कमी आई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे इस संघर्ष को खत्म करने के लिए चीन और रूस से मदद लेने की योजना बना रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'देखिए, हमें किसी मदद की जरूरत नहीं है। हमने



उनकी नौसेना को हरा दिया है। उनकी वायु सेना को हरा दिया है। उनके एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम को भी हरा दिया है। उनके पास अब लगभग 12 मिसाइलें ही बची हैं। उनके पास कुछ मिसाइलें तो हैं, लेकिन वे पहले की तुलना में घटकर लगभग 12-13% रह गई हैं, और अब वे एक समझौता करना चाहते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे मदद की जरूरत नहीं है। मेरा मतलब है कि मैं मदद मांगने नहीं जा रहा हूं।' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि वाशिंगटन ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण कर लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते इस जलमार्ग से जितना तेल गुजरा, उतना इसके इतिहास में पहले कभी नहीं गुजरा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि हाल ही में हुए चुनावों के बाद वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में गिरावट आई है। उन्होंने कहा, 'चुनाव के अगले ही दिन तेल की कीमतें तेजी से नीचे गिर गईं।' वाशिंगटन डीसी में ईरान द्वारा 'डर्टी बम' के इस्तेमाल के खतरे की संभावना पर, ट्रंप ने कहा कि ऐसे संकेत हैं कि परमाणु हथियार बनाने से रोके जाने के बाद, तेहरान अब रासायनिक और जैविक हथियारों की क्षमता हासिल करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसे संकेत हैं कि ईरान गैस और जैविक हथियारों पर विचार कर रहा है, क्योंकि हमने परमाणु हथियारों के मामले में उनके रास्ते बंद कर दिए हैं। परमाणु हथियार बनाना कहीं ज्यादा मुश्किल है। इसलिए वे गैस और जैविक हथियारों की ओर देख रहे हैं।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वाशिंगटन डीसी के लोगों को ईरान के संभावित हमले को लेकर चिंतित होना चाहिए, तो ट्रंप ने कहा कि घबराने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा नहीं लगता। देखिए, अगर ऐसा होता है, तो हम उनका नामोनिशान मिटा देंगे। ट्रंप ने इस टकराव में अमेरिका के रुख का बचाव करते हुए कहा कि इन दुश्मनी की जड़ें 51 साल पुरानी घटनाओं में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले आठ महीनों में ईरानी अधिकारियों ने 75,000 प्रदर्शनकारियों को मार डाला है, और तेहरान पर प्रदर्शनों को दबाने के लिए घातक बल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। राजनयिक मोर्चे पर, ट्रंप ने पुष्टि की कि वाशिंगटन तेहरान के संपर्क में है।

दुनिया में 2035 तक मुस्लिमों की संख्या होगी सबसे ज्यादा, इस्लाम होगा सबसे बड़ा धर्म

वाशिंगटन, डीसी , एजेंसी। प्यू रिसर्च सेंटर ने रिपोर्ट जारी की है जिसके अनुसार, 2035 तक इस्लाम दुनिया के सबसे बड़े धर्म के रूप में ईसाई धर्म को पीछे छोड़ सकता है। रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्लाम और ईसाई धर्म दोनों ही बढ़ रहे हैं, लेकिन इस्लाम कहीं अधिक तेजी से बढ़ रहा है। इसका एक मुख्य कारण यह है कि अन्य प्रमुख धार्मिक समूहों की तुलना में मुसलमानों के बच्चों की संख्या अधिक होती है। प्यू के वरिष्ठ जनसांख्यिकी विशेषज्ञ कॉनराड हैकेट ने बताया कि धर्म परिवर्तन या धार्मिक पहचान बदलने के अन्य तरीकों की तुलना में, प्रजनन दर (फर्टिलिटी रेट) कहीं अधिक बड़ा कारक है।

पाकिस्तान में हो जाएंगे सबसे ज्यादा मुस्लिम : प्यू के अनुसार, 2020-2025 के दौरान मुसलमानों



में प्रजनन दर प्रति महिला 3.1 बच्चे थी, जबकि ईसाइयों में यह दर 2.5 थी। अन्य सभी समूहों की महिलाओं के लिए औसत प्रजनन दर 1.6 थी, जो 2.1 के उस स्तर से कम है जिसे किसी भी पीढ़ी के खुद को बनाए रखने (रिप्लेस करने) के लिए आवश्यक माना जाता है। प्यू के अनुसार, अगर मौजूदा रुझान जारी रहते हैं, तो 2070 तक पाकिस्तान में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी होगी। इसके बाद भारत, नाइजीरिया और इंडोनेशिया का नंबर आएगा - जबकि अभी इंडोनेशिया में सबसे अधिक मुस्लिम रहते हैं। प्यू के नवीनतम अनुमानों के अनुसार, 2020 में दुनिया भर में 2.27 अरब ईसाई और 2.02 अरब मुसलमान थे। प्यू के नए अनुमानों के मुताबिक, 2035 तक मुसलमानों की संख्या 2.57 अरब और ईसाइयों की संख्या 2.52 अरब हो जाएगी। यदि मौजूदा रुझान जारी रहते हैं, तो 2070 तक दुनिया भर में मुसलमानों की संख्या 3.6 अरब से अधिक हो जाएगी, जबकि ईसाइयों की संख्या 3 अरब से थोड़ी कम होगी। इन अनुमानों में धार्मिक समूहों की आयु संरचना, प्रजनन दर, धर्म परिवर्तन और प्रवास (माइग्रेशन) के मौजूदा रुझानों को ध्यान में रखा गया है। प्यू का अनुमान है कि अगले 40 वर्षों के भीतर, संयुक्त राज्य अमेरिका में ईसाइयों का बहुमत नहीं रहेगा। प्यू के अनुसार, अभी अमेरिका की 62% आबादी ईसाई है, और 2065 तक यह आंकड़ा 50% से नीचे आ जाएगा। प्यू ने बताया कि पड़ोसी देश कनाडा में भी 2030 तक ईसाइयों की आबादी 50% से कम होने का अनुमान है। दोनों ही देशों में इस गिरावट का एक बड़ा कारण उन लोगों की संख्या में बढ़ोतरी है, जो किसी भी धर्म से नहीं जुड़े हैं।

बांग्लादेश में अवामी लीग के 'लॉकडाउन' के बीच भीषण हिंसा!



ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बृहस्पतिवार तड़के कई जगहों पर बम धमाके हुए, जबकि चटगांव में पूर्व की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के पैतृक घर को आग लगा दी गई। यह अशांति पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली पार्टी अवामी लीग की ओर से बृहस्पतिवार को देशव्यापी ''लॉकडाउन के आह्वान के बाद हुई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली भंग की जा चुकी पार्टी 'अवामी लीग' द्वारा बृहस्पतिवार को देशव्यापी 'लॉकडाउन' के आह्वान के बाद पूरे देश में हिंसक झड़पें, बम धमाके और आगजनी की घटनाएं हुई हैं। राजधानी ढाका में तड़के कई स्थानों पर बम विस्फोट हुए, जबकि चटगांव में पूर्व अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के पैतृक घर को उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिया। इस व्यापक हिंसा में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों घायल हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद बृहस्पतिवार सुबह ढाका के कई इलाकों में बम विस्फोट, तोड़फोड़ और आगजनी की गई, जिसमें कम से कम चार लोग घायल हो गए। दूसरी ओर, चटगांव के पांचलाइश इलाके में अज्ञात उपद्रवियों ने नोबेल पुरस्कार विजेता और पूर्व मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के पैतृक आवास में आग लगा दी। इससे पहले देश के विभिन्न हिस्सों में यूनुस द्वारा स्थापित 'ग्रामीण बैंक' की कई शाखाओं को भी निशाना बनाकर आग लगाई गई थी। बीते दो दिनों में देश के 64 प्रशासनिक जिलों में से 28 जिलों में बम धमाके और वाहनों को फूंकने की खबरें सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बुधवार रात ढाका में प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक कार्यकर्ताओं- जिन्हें प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से जुड़ा माना जा रहा है- ने अवामी लीग के दो नेताओं के घरों पर हमला कर आग लगा दी। इससे पहले बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित ग्रामीण बैंक की कई शाखाओं को भी आग के हवाले कर दिया गया था। अखबारों की खबरों के अनुसार, बुधवार रात प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने ढाका में अवामी लीग के दो नेताओं के घरों पर हमला किया या उन्हें आग लगा दी। माना जा रहा है कि ये कार्यकर्ता प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से जुड़े थे।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा: हकीम जेफ्रीज बन सकते हैं पहले अश्वेत स्पीकर, डेमोक्रेट्स ने लगाई नाम पर मुहर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी ने हकीम जेफ्रीज को नए कांग्रेस सत्र के लिए अपना नेता चुन लिया है। इसके साथ ही उनके अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के पहले अश्वेत स्पीकर बनने का रास्ता साफ होता दिख रहा है। जनवरी में नए कांग्रेस सत्र की शुरुआत पर सदन में होने वाला औपचारिक मतदान इस पद पर उनकी नियुक्ति का अंतिम चरण होगा। मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत के करीब दो सप्ताह बाद पार्टी ने जेफ्रीज के नाम पर मुहर लगाई। हालांकि, पार्टी के कुछ नवनिर्वाचित प्रगतिशील सांसदों ने उनकी उम्मीदवारी का विरोध किया था। वे समर्थन के बदले नीतिगत मुद्दों पर ठोस आश्वासन चाहते थे।

गोपनीय मतदान में 11 सांसदों ने किया विरोध : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी के गोपनीय मतदान में केवल 11 डेमोक्रेटिक सांसदों ने जेफ्रीज के खिलाफ वोट दिया। इससे जनवरी में उनके स्पीकर चुने जाने की संभावना मजबूत हुई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, विरोध करने वाले सांसद भी सदन में अंतिम मतदान के दौरान उनका समर्थन कर सकते हैं।

नामांकन मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में जेफ्रीज ने कहा कि अमेरिकी जनता बड़े और बुनियादी बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति स्वीकार्य नहीं है और डेमोक्रेटिक



पार्टी लोगों की अपेक्षाओं के मुताबिक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रगतिशील सांसदों ने रखीं नीतिगत शर्तें : जेफ्रीज का विरोध करने वाले सात नवनिर्वाचित प्रगतिशील डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि वे मेडिकेयर फॉर ऑल यानी सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा योजना पर मतदान कराने और गाजा में कथित नरसंहार खत्म करने जैसे मुद्दों पर प्रतिबद्धता चाहते हैं। इन सांसदों में न्यूयॉर्क की डारियालिजा एविला शेवेलियर, न्यू जर्सी के एडम हमावी, टेक्सास के फ्रेडरिक हेन्स, कोलोराडो की मेलाट किरोस, मिशिगन के डोनावन मैकिनी और पेंसिल्वेनिया के क्रिस रैब के साथ न्यूयॉर्क की क्लेयर वाल्डेज शामिल हैं। डेमोक्रेटिक सांसद डॉन लियोनार्ड ने भी जेफ्रीज के नामांकन के खिलाफ वोट दिया। उन्होंने कहा कि वह चुनावी चंदे से जुड़े नियमों में सुधार और इजराइल को अमेरिकी सहायता रोकने के मुद्दे पर मतदान कराने का आश्वासन चाहते हैं। लियोनार्ड के मुताबिक, जब तक इन मुद्दों पर स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं मिलती, तब तक उनका समर्थन नहीं होगा। जेफ्रीज ने पार्टी के भीतर विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि डेमोक्रेट्स का काम मैगा कट्टरपंथ का मुकाबला करना है, न कि आपस में लड़ना।

कई गुटों से जेफ्रीज ने की बातचीत : नामांकन से पहले जेफ्रीज ने उन नवनिर्वाचित सांसदों से आमने-सामने बातचीत की, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से उनके समर्थन का ऐलान नहीं किया था। इनमें से कई सांसद डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट्स ऑफ अमेरिका से जुड़े थे। उन्होंने पार्टी के अलग-अलग गुटों से भी संपर्क किया। इनमें सेंटरिस्ट सांसद, न्यू डेमोक्रेट कोएलिशन, ब्लू डॉग कॉकस और कांग्रेसनल प्रोग्रेसिव कॉकस शामिल हैं। जेफ्रीज को वरिष्ठ सांसद जिम क्लाइबर्न का भी मजबूत समर्थन मिला। क्लाइबर्न कांग्रेसनल ब्लैक कॉकस के वरिष्ठ सदस्यों में शामिल हैं। उन्होंने पार्टी के सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि हकीम सुर्खियों के बजाय ठोस प्रगति में रुचि रखते हैं। जेफ्रीज ने शुक्रवार को सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था के कई प्रमुख प्रस्तावों का समर्थन किया। इनमें मेडिकेयर के लिए पात्रता की उम

सम्पादकीय

सड़क पर लापरवाही का खूनी खेल, आखिर कब जागेंगे हम?



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

सड़क पर दौड़ते वाहनों की रफ्तार के साथ जिंदगी भी आगे बढ़ती है, लेकिन जब यही रफ्तार लापरवाही में बदल जाती है तो कुछ ही पलों में हंसते-खेलते परिवार उजड़ जाते हैं। गुजरात में शनिवार रात और रविवार सुबह हुए दो भीषण सड़क हादसे इसी कड़वी सच्चाई की याद दिलाते हैं। कच्छ में ट्रक और कार की आमने-सामने हुई टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और तीन मासूम बच्चे शामिल थे। इनमें महज तीन महीने की बच्ची भी थी। दूसरी ओर जूनागढ़ जिले के केशोद में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई और आग की चपेट में आ गई। इस हादसे में तीन युवाओं की जान चली गई, जबकि इन्फ्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा की जान बच गई। कुछ ही घंटों के भीतर हुए इन हादसों ने 10 जिंदगियां छीन लीं और कई परिवारों को कभी न भरने वाला जख्म दे दिया।

कच्छ की घटना इसलिए भी अधिक विचलित करने वाली है, क्योंकि हादसे का शिकार हुए लोग घूमने के बाद अपने घर लौट रहे थे। रण ऑफ कच्छ की खूबसूरती देखकर लौट रहे परिवारों को शायद अंदाजा भी नहीं था कि उनका सफर इस तरह अधूरा रह जाएगा। कार में सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र के रहने वाले थे और भुज में तैनात सेना के जवानों के परिवारों से जुड़े थे। एक ही हादसे में परिवारों के कई सदस्यों का चले जाना केवल व्यक्तिगत क्षति नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए ऐसा दुख है जिसकी भरपाई किसी भी आर्थिक सहायता से नहीं की जा सकती।

इस दुर्घटना में तीन छोटे बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर दिया है। तीन महीने की शिविका, सात साल की रक्षित और चार साल की वामिका की जिंदगी अभी शुरू ही हुई थी। उनके सामने पूरी दुनिया थी, लेकिन एक सड़क हादसे ने सब कुछ खत्म कर दिया। दुर्घटना के बाद कार की हालत इतनी खराब हो गई कि वह दो हिस्सों में बंट गई। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल को कई घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। यह दृश्य बताता है कि सड़क दुर्घटनाएं कितनी भयावह हो सकती हैं।

दूसरा हादसा जूनागढ़ जिले के केशोद-बालागाम मार्ग पर हुआ। जूनागढ़ से माधवपुर जा रही स्विफ्ट कार मोड़ पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पत्थर से टकराई और पलट गई। इसके बाद कार में आग लग गई। वाहन में चार लोग सवार थे, जिनमें तीन की मौत हो गई। नंदनी पोपट, डेनिस दिवराणिया और झलक मशरू की उम्र महज 25 से 27 वर्ष के बीच थी। यह वह उम्र होती है जब युवा अपने सपनों को पूरा करने, करियर बनाने और परिवार की जिम्मेदारियां संभालने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। लेकिन एक दुर्घटना ने उनकी जिंदगी का सफर समाप्त कर दिया।

इस हादसे में इन्फ्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा का बचना राहत की बात है। टक्कर के दौरान कार का शीशा टूटने से वह बाहर खेत में जा गिरीं और आग की चपेट में आने से बच गईं। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना ने एक बार फिर यह दिखाया कि दुर्घटना के बाद राहत और बचाव की व्यवस्था कितनी महत्वपूर्ण होती है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और आपातकालीन सेवा 112 की टीमों का पहुंचना सराहनीय है, लेकिन सवाल यह भी है कि ऐसी घटनाओं को होने से रोकने के लिए पहले से कितनी तैयारी की जा रही है।

इन दोनों हादसों के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल सड़क सुरक्षा को लेकर हमारी सामूहिक उदासीनता का है। आखिर सड़क पर निकलते समय हम अपनी और दूसरों की जिंदगी को लेकर कितने जिम्मेदार हैं? वाहन चलाते समय थोड़ी सी असावधानी, जरूरत से ज्यादा रफ्तार, सड़क की स्थिति को नजरअंदाज करना और यातायात नियमों का पालन न करना गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। सड़क पर चलने वाला व्यक्ति केवल अपनी जिंदगी की जिम्मेदारी नहीं उठाता, बल्कि उसके व्यवहार का असर दूसरे वाहन चालकों और राहगीरों पर भी पड़ता है। यह समझना जरूरी है कि सड़क पर गति का रोमांच कुछ क्षणों का होता है, लेकिन दुर्घटना का दर्द परिवारों को जीवनभर झेलना पड़ता है।

प्रधान संपादक

अतीत का कोई शख्स अचानक करे संपर्क, तो तुरंत जवाब देने की न करें जल्दबाजी

यूथ इंडिया

कभी-कभी जिंदगी में बीते हुए लोग अचानक फिर सामने आ जाते हैं। सोशल मीडिया पर आया एक छोटा-सा 'हैलो' भी पुराने रिश्तों, यादों और भावनाओं को दोबारा जगा सकता है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म ने लोगों के लिए सालों पुराने दोस्तों, रिश्तेदारों, सहकर्मियों और पूर्व पार्टनर तक पहुंचना आसान बना दिया है। लेकिन सवाल यह है कि अगर अतीत का कोई ऐसा व्यक्ति दोबारा संपर्क करे, जिसके साथ आपका अनुभव अच्छा नहीं रहा हो, तो क्या करना चाहिए? क्या तुरंत जवाब देना जरूरी है या चुप रहना बेहतर विकल्प हो सकता है?

मनोचिकित्सक टेरी कोल के मुताबिक, अतीत के किसी व्यक्ति का अचानक सामने आना कई बार मानसिक रूप से असहज कर सकता है। भले ही कभी उस व्यक्ति के साथ अच्छे संबंध रहे हों, लेकिन दोबारा संपर्क होने पर पुराने अनुभव और उनसे जुड़ी भावनाएं लौट सकती हैं। इसलिए किसी का संदेश आते ही प्रतिक्रिया देने के बजाय खुद को थोड़ा समय देना जरूरी है।

न्यूयॉर्क के मनोवैज्ञानिक और लेखक डॉ. गाइ विंच के अनुसार, सबसे पहले यह समझना चाहिए कि उस व्यक्ति का नाम या संदेश देखकर आपके मन में पहली भावना क्या आई। क्या आपको खुशी हुई, बेचैनी महसूस हुई, डर लगा या असहजता हुई? आपकी पहली प्रतिक्रिया पुराने रिश्ते की वास्तविक स्थिति और उससे जुड़े अनुभवों को समझने में मदद कर सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जवाब देने से पहले खुद से यह सवाल भी पूछना

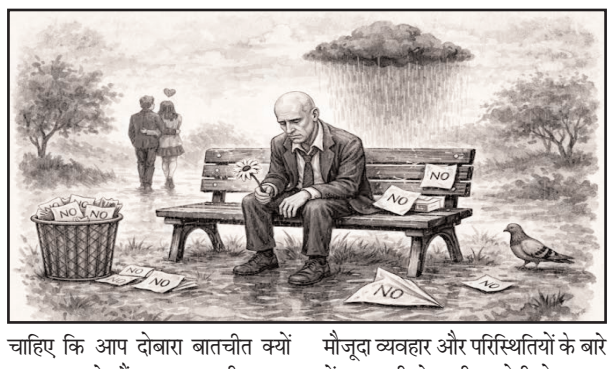

चाहिए कि आप दोबारा बातचीत क्यों करना चाहते हैं। क्या इसकी वजह अकेलापन है, जिज्ञासा है, अपराधबोध है या वास्तव में उस व्यक्ति से दोबारा जुड़ने की इच्छा है? टौरो यूनिवर्सिटी में व्यवहार चिकित्सा के प्रोफेसर जेफरी गार्डर के मुताबिक, सामने वाले के इरादों को समझने के साथ अपने मन की स्थिति को समझना भी जरूरी है।

दोबारा संपर्क करने वाले व्यक्ति के मौजूदा व्यवहार और परिस्थितियों के बारे में जानकारी लेना भी उपयोगी हो सकता है। यह समझना जरूरी है कि वह अचानक क्यों संपर्क कर रहा है और क्या उसके इरादे वास्तव में स्पष्ट हैं। साथ ही, यह भी याद रखना चाहिए कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली जानकारी किसी व्यक्ति के वास्तविक स्वभाव या बदलाव का पूरा प्रमाण नहीं होती।

रिश्ता किस परिस्थिति में खत्म हुआ था, यह भी दोबारा संपर्क का फैसला लेने में अहम भूमिका निभाता है। यदि पुराने रिश्ते में मनमुटाव या गलतफहमी रही हो और दोनों पक्ष फिर से बातचीत करना चाहते हों, तो अपनी गलतियों को स्वीकार करना और जरूरत पड़ने पर माफी मांगना नई शुरुआत का आधार बन सकता है। हालांकि, यदि पुराने रिश्ते में अपमान, मानसिक परेशानी या असुरक्षा का अनुभव रहा है, तो केवल अतीत की यादों के कारण दोबारा जुड़ना जरूरी नहीं है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि आप दोबारा संपर्क करने का फैसला लेते हैं, तो शुरुआत में ही अपनी सीमाएं स्पष्ट कर दें। बातचीत को धीरे-धीरे आगे बढ़ाएं और अपनी सहजता को प्राथमिकता दें। किसी से दोबारा मिलना या बातचीत करना तभी उचित है, जब आप इसके लिए मानसिक रूप से तैयार हों। वहीं, यदि आप संपर्क नहीं रखना चाहते, तो संदेश का जवाब न देना भी आपका अधिकार है। जरूरत पड़ने पर उस व्यक्ति को सोशल मीडिया पर ब्लॉक या प्रतिबंधित भी किया जा सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अतीत के किसी व्यक्ति के प्रति स्नेह, अपनापन या पुरानी यादें होने का मतलब यह नहीं कि उसे वर्तमान जिंदगी में दोबारा जगह देना ही पड़े। हर रिश्ता फिर से शुरू करने के लिए नहीं होता। कभी-कभी दूरी बनाए रखना ही मानसिक सुकून और आत्मसम्मान के लिए बेहतर होता है। इसलिए सोशल मीडिया पर आया एक छोटा-सा संदेश देखकर जल्दबाजी में फैसला न लें। पहले अपनी भावनाओं को समझें, अपनी जरूरतों को महत्व दें और वही कदम उठाएं जिसमें आपकी सहमति और सहजता शामिल हो।

गणित की दुनिया में नई पहचानः नीना गुप्ता की प्रेरणादायक यात्रा



डॉ. विजय गर्ग

गणित को अक्सर एक कठिन विषय माना जाता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह खोज, जिज्ञासा और नए आविष्कारों की रोमांचक यात्रा बन जाता है। भारत की प्रतिभाशाली गणितज्ञ नीना गुप्ता ने साबित किया है कि समर्पण, धैर्य और बौद्धिक जिज्ञासा से असाधारण उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। उनके शोध ने भारतीय गणित को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित (एसटीईएम) के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाली युवतियों को प्रेरित किया है।

नीना गुप्ता का जन्म 1984 में कोलकाता में हुआ था। बचपन से ही उनकी गणित में विशेष रुचि थी। उनकी माता ने गणितीय पहेलियों और समस्याओं को हल करने वाली गतिविधियों के माध्यम से उनकी जिज्ञासा को प्रोत्साहित किया। धीरे-धीरे गणित केवल एक विषय न रहकर उनका जुनून बन गया।

उन्होंने 2006 में बेथ्यून कॉलेज से गणित में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद 2008 में भारतीय सांख्यिकी संस्थान , कोलकाता से स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की। वर्ष 2011 में उन्होंने कम्प्यूटेटिव बीजगणित में पीएच.डी. की उपाधि हासिल की। वर्तमान में वे भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता की सैद्धांतिक सांख्यिकी एवं गणित इकाई में प्रोफेसर हैं।

नीना गुप्ता को अंतरराष्ट्रीय पहचान उनके उल्लेखनीय शोध के कारण मिली। उन्होंने प्रसिद्ध गणितज्ञ ऑस्कर ज़ारिस्की द्वारा 1949 में प्रस्तुत ज़ारिस्की कैंसलेशन समस्या पर महत्वपूर्ण कार्य किया।

यह समस्या बीजगणितीय ज्यामिति से संबंधित है। इसका मूल प्रश्न यह है कि यदि दो गणितीय संरचनाएँ एक अतिरिक्त आयाम जोड़ने के बाद समान दिखाई देती हैं, तो क्या उनकी मूल संरचनाएँ भी समान होंगी?

वर्ष 2014 में नीना गुप्ता ने असानुमा द्वारा निर्मित एक त्रि-आयामी एफाइन वैरायटी का उदाहरण प्रस्तुत करके इस समस्या के एक रूप का प्रतिवाद स्थापित किया। उनका शोध बीजगणितीय ज्यामिति के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुआ।

उनकी सफलता ने दिखाया कि नई सोच, निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प से पीढ़ियों से अनसुलझी समस्याओं पर भी विजय प्राप्त की जा सकती है।

नीना गुप्ता के उत्कृष्ट शोध को अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

2014: इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड।, 2019: गणितीय विज्ञान के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार।, 2021: विकासशील देशों के युवा गणितज्ञों के लिए डीएसटीङ्कआईसीटीपी रामानुजन पुरस्कार।, 2022: गणित के क्षेत्र में योगदान के लिए नारी शक्ति पुरस्कार।, 2024: गणितीय विज्ञान के लिए इंफोसिस पुरस्कार।

वे रामानुजन पुरस्कार प्राप्त करने वाली तीसरी महिला बनीं। यह उपलब्धि उच्च स्तरीय गणितीय अनुसंधान में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है।

नीना गुप्ता की जीवन यात्रा युवा लड़कियों को एक महत्वपूर्ण संदेश देती है कि गणित और वैज्ञानिक अनुसंधान किसी एक लिंग तक सीमित नहीं हैं। सफलता के लिए प्रतिभा, जिज्ञासा, मेहनत और अवसर आवश्यक हैं।

सामाजिक धारणाओं और प्रोत्साहन की कमी के कारण कई लड़कियाँ गणित को अपना करियर बनाने से हिचकिचाती हैं। नीना गुप्ता की उपलब्धियाँ इन धारणाओं को चुनौती देती हैं। उन्होंने साबित किया है कि महिलाएँ विज्ञान और अनुसंधान के सबसे कठिन क्षेत्रों में भी असाधारण योगदान दे सकती हैं।

विद्यालयों, महाविद्यालयों, शिक्षकों और अभिभावकों को लड़कियों को प्रश्न पूछने, समस्याएँ हल करने, वैज्ञानिक गतिविधियों में भाग लेने और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। विद्यार्थियों में गणित का डर पैदा करने के बजाय उसके सौंदर्य, तार्किकता और उपयोगिता के प्रति रुचि विकसित करनी चाहिए।

नीना गुप्ता की कहानी केवल एक गणितीय समस्या के समाधान की कहानी नहीं है, बल्कि साहस, धैर्य और स्थापित मान्यताओं पर प्रश्न उठाने की क्षमता का उदाहरण है। बचपन में गणितीय पहेलियाँ हल करने से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण शोध उपलब्धि हासिल करने तक का उनका सफर जिज्ञासा और दृढ़ संकल्प की शक्ति को दर्शाता है।

कता है जो अनसुलझे प्रश्नों पर काम करें और वैश्विक वैज्ञानिक ज्ञान में योगदान दें। उनकी सफलता हमें याद दिलाती है कि विज्ञान का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब प्रत्येक प्रतिभाशाली विद्यार्थी को लिंग और सामाजिक पृष्ठभूमि से परे समान अवसर मिलेंगे।

नीना गुप्ता ने सिद्ध किया है कि गणित में प्रतिभा का कोई लैंगिक बंधन नहीं होता। दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से दशकों पुरानी चुनौतियों को भी हल किया जा सकता है। वे विशेष रूप से उन युवा लड़कियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जो विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहती हैं।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

विश्व टेलीविजन दिवसः सूचना, शिक्षा, मनोरंजन और जनचेतना का सशक्त माध्यम

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

प्रतिवर्ष 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाया जाता है। टेलीविजन आधुनिक विज्ञान की उन महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है, जिसने पूरी दुनिया को एक-दूसरे के करीब लाने में अहम भूमिका निभाई है। कभी घरों में मनोरंजन का प्रमुख साधन रहा टेलीविजन आज सूचना, शिक्षा, समाचार, संस्कृति, सामाजिक जागरूकता और जनमत निर्माण का सशक्त माध्यम बन चुका है। इसने दुनिया के किसी भी कोने में घटित होने वाली घटना को कुछ ही क्षणों में करोड़ों लोगों तक पहुंचाने की क्षमता विकसित की है। बदलते समय के साथ टेलीविजन का स्वरूप भी बदला है, लेकिन समाज पर उसका प्रभाव आज भी व्यापक है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1996 में 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसी दिन वर्ष 1996 में संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में पहला विश्व टेलीविजन मंच आयोजित किया गया था। इस मंच पर विश्व के प्रमुख संचार विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने टेलीविजन के बढ़ते प्रभाव, वैश्विक संचार तथा सामाजिक विकास में उसकी भूमिका पर विचार-विमर्श किया था।

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य टेलीविजन के महत्व को स्वीकार करना और शांति, सुरक्षा, विकास, शिक्षा तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे विषयों पर जनजागरूकता बढ़ाने में इसकी भूमिका को रेखांकित करना है। यह दिन केवल एक तकनीकी आविष्कार का उत्सव नहीं, बल्कि जिम्मेदार संचार और विश्वव्यापी संवाद की आवश्यकता को समझने का अवसर भी है।

भारत में टेलीविजन प्रसारण की शुरुआत 15 सितंबर 1959 को दिल्ली से प्रायोगिक रूप में हुई थी। उस समय टेलीविजन प्रसारण का उद्देश्य शिक्षा और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करना था। प्रारंभिक दौर में प्रसारण सीमित समय के लिए होता था और टेलीविजन सेट भी बहुत कम घरों में उपलब्ध थे। वर्ष 1972 में मुंबई में टेलीविजन केंद्र स्थापित हुआ।

इसके बाद धीरे-धीरे देश के अन्य शहरों में भी प्रसारण का विस्तार हुआ। वर्ष 1975-76 में उपग्रह अनुदेशात्मक टेलीविजन प्रयोग के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक शैक्षिक कार्यक्रम पहुंचाने का प्रयास किया गया। 1982 में भारत में रंगीन टेलीविजन प्रसारण की शुरुआत हुई। इसी वर्ष एशियाई खेलों का रंगीन प्रसारण देश के लिए एक नया अनुभव बना। दूरदर्शन ने समाचार, कृषि दर्शन, चित्रहार, रामायण और महाभारत जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय जनजीवन में विशेष स्थान बनाया।

बाद में निजी समाचार और मनोरंजन चैनलों के आगमन ने प्रसारण जगत में नई प्रतिस्पर्धा पैदा की। टेलीविजन केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम भी है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान, इतिहास, भूगोल, साहित्य और सामान्य ज्ञान से संबंधित जानकारियां मिलती हैं। शैक्षिक कार्यक्रमों ने उन क्षेत्रों तक भी ज्ञान पहुंचाया है, जहां आधुनिक शिक्षण सुविधाएं सीमित हैं। कृषि प्रधान भारत में किसानों के लिए मौसम, फसल, उन्नत बीज, सिंचाई, खाद और कृषि तकनीक से संबंधित कार्यक्रम उपयोगी सिद्ध हुए हैं।

स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला सशक्तीकरण, बाल अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ और नशामुक्ति जैसे विषयों पर प्रसारित कार्यक्रमों ने समाज में जागरूकता बढ़ाने में योगदान दिया है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

भूमिका, इतिहास, उद्देश्य, महत्व एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

भारत का भविष्य केवल उसकी आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियों और सैन्य शक्ति से ही निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से भी तय होता है कि उसकी युवा पीढ़ी कितनी अनुशासित, संस्कारवान, साहसी, जिम्मेदार और राष्ट्र के प्रति समर्पित है। किसी भी देश की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी होती है। यदि युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा, उचित प्रशिक्षण और सकारात्मक विचारधारा मिले तो वे राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसी उद्देश्य को सामने रखकर भारत में राष्ट्रीय कैडेट कोर की स्थापना की गई थी। राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस इसी गौरवशाली संस्था, उसके अनुशासन, सेवा भावना और राष्ट्रभक्ति के संकल्प को याद करने का अवसर है। राष्ट्रीय कैडेट कोर अर्थात एनसीसी केवल वर्दी पहनने, परेड करने और शिविरों में भाग लेने वाला संगठन नहीं है, बल्कि यह युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण की एक महत्वपूर्ण पाठशाला है। यहां विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास, सामूहिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और देशसेवा का व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलता है। यह संस्था युवाओं में ऐसी चेतना जगाती है, जो उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक और आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्र की रक्षा के लिए तत्पर रहने वाला व्यक्ति बनाती है।

स्थापना का इतिहास = एक गौरवशाली शुरुआत - राष्ट्रीय कैडेट कोर की स्थापना 15 जुलाई 1948 को राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिनियम के अंतर्गत हुई थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के सामने अनेक चुनौतियां थीं। देश को मजबूत बनाने, युवाओं में सैन्य प्रशिक्षण के प्रति रुचि पैदा करने और उनमें अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने की आवश्यकता महसूस की गई। इसी सोच के साथ एनसीसी की शुरुआत हुई।

हालांकि इसकी प्रेरणा भारत में अंग्रेजी शासन के दौरान स्थापित विश्वविद्यालय कोर से जुड़ी हुई थी। वर्ष 1948 में स्वतंत्र भारत ने इसे नए स्वरूप में विकसित किया। प्रारंभ में इसका विस्तार सीमित था, लेकिन धीरे-धीरे विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों तक इसकी पहुंच बढ़ती गई। आज यह विश्व के सबसे बड़े वर्दीधारी युवा संगठनों में शामिल है। राष्ट्रीय कैडेट कोर का आदर्श वाक्य है - एकता और अनुशासन। यह केवल दो शब्द नहीं, बल्कि संगठन की संपूर्ण विचारधारा का सार है। विविध भाषाओं, धर्मों, जातियों, क्षेत्रों और सामाजिक पृष्ठभूमियों से आने वाले विद्यार्थी एक ही वर्दी में एक साथ प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। इससे राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत होती है। राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस सामान्यतः नवंबर महीने के चौथे रविवार को मनाया जाता है।

इस अवसर पर देशभर में एनसीसी की इकाइयों द्वारा परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक सेवा गतिविधियां, जागरूकता अभियान और अन्य आयोजन किए जाते हैं। कैडेट अपने प्रशिक्षण, उपलब्धियों और सेवा कार्यों के माध्यम से संगठन के प्रति सम्मान प्रकट करते हैं। इस दिवस का उद्देश्य केवल स्थापना दिवस की स्मृति को ताजा करना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को एनसीसी के उद्देश्यों और राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान से परिचित कराना भी है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित त्रि-सेवा संगठन है। इसमें थल सेना, नौसेना और वायुसेना से संबंधित प्रशिक्षण की व्यवस्था है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को तीनों सेनाओं की कार्यप्रणाली, अनुशासन और जिम्मेदारियों से परिचित कराना है।एनसीसी में विद्यालय स्तर पर कनिष्ठ प्रभाग तथा महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर वरिष्ठ प्रभाग के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है। छात्राओं के लिए भी अलग प्रशिक्षण व्यवस्था है। इस प्रकार लड़के और लड़कियां समान रूप से इसमें भाग लेकर अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं।एनसीसी के तीन प्रमुख अंग हैं ;

थल सेना अंग - इसमें परेड, शारीरिक प्रशिक्षण, मानचित्र अध्ययन, हथियारों की बुनियादी जानकारी और मैदानी गतिविधियों का अभ्यास कराया जाता है। नौसेना अंग - इसमें समुद्री गतिविधियों, नौकायन, जल सुरक्षा और नौसैनिक अनुशासन से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाता है।वायुसेना अंग - इसमें विमानन, वायु सुरक्षा, उड़ान से संबंधित प्रारंभिक जानकारी और तकनीकी गतिविधियों का परिचय दिया जाता है। इस व्यवस्था से कैडेटों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार अलग-अलग क्षेत्रों को समझने का अवसर मिलता है।

कल जब अनुशासन और देशभक्ति की सबसे बड़ी आवश्यकता थी यानि कि स्वतंत्रता के बाद भारत अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था। विभाजन का दर्द, सीमाओं की सुरक्षा, आर्थिक कठिनाइयां और सामाजिक अस्थिरता देश के सामने बड़ी समस्याएं थीं। ऐसे समय में युवाओं को राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार बनाने की आवश्यकता थी।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

बिजली संकट की आहट



डॉ. सत्यवान सौरभ

बिजली किसी सरकार की उपलब्धियों का विज्ञापन भर नहीं, बल्कि उसकी विकास क्षमता की वास्तविक परीक्षा है। जब उद्योग उत्पादन रोकने को मजबूर हों, किसान सिंचाई के लिए बिजली का इंतजार करें, शहरों में गर्मी के दौरान कटौती हो और उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदनी पड़े, तब ऊर्जा आत्मनिर्भरता के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत का बिजली क्षेत्र आज इसी विरोधाभास से जूझ रहा है। एक ओर रिकॉर्ड बिजली उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार और भविष्य की बड़ी योजनाओं का उत्सव है, दूसरी ओर ईंधन संकट, कमजोर वितरण कंपनियां, अपर्याप्त भंडारण और मांग के दबाव जैसी चुनौतियां मौजूद हैं।

बिजली क्षेत्र की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि हमारी ऊर्जा योजना कई बार वास्तविक मांग के बजाय स्थापित क्षमता के आंकड़ों पर अधिक केंद्रित दिखाई देती है। कितने मेगावाट संयंत्र स्थापित हुए, कितनी सौर परियोजनाएं शुरू हुईं और कितनी नई योजनाओं की घोषणा हुई—इन आंकड़ों से विकास का आकलन किया जाता है। लेकिन उपभोक्ता के लिए असली सवाल यह है कि जरूरत पड़ने पर बिजली उपलब्ध है या नहीं। स्थापित क्षमता और वास्तविक आपूर्ति के बीच का अंतर ही ऊर्जा नियोजन की गंभीर चुनौती है। बिजली संयंत्र का होना और उसका संकट के समय लगातार उत्पादन करना दो अलग-अलग बातें हैं।

कोयले पर निर्भरता कम करने की बात वर्षों से हो रही है, लेकिन ताप विद्युत अभी भी भारतीय बिजली व्यवस्था की रीढ़ है। इस निर्भरता को स्वीकार करने के बजाय कई बार ऊर्जा संक्रमण की बहस को केवल स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार तक सीमित कर दिया जाता है। कोयले की आपूर्ति, रेलवे परिवहन, संयंत्रों में पर्याप्त भंडार और उत्पादन इकाइयों के रखरखाव पर गंभीर ध्यान नहीं दिया गया तो संकट के समय सारी योजनाएं कागज पर ही रह जाएंगी। ऊर्जा नीति में विरोधाभास नहीं, व्यावहारिकता चाहिए। जब तक वैकल्पिक स्रोत पर्याप्त, स्थिर और आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं बनते, तब तक पारंपरिक उत्पादन व्यवस्था को कमजोर करना जोखिमपूर्ण होगा।

सौर ऊर्जा का विस्तार निश्चित रूप से भविष्य की जरूरत है, लेकिन केवल सूरज चमकने के समय बिजली उपलब्ध होना ऊर्जा सुरक्षा नहीं है। शाम होते ही सौर उत्पादन घटता है, जबकि घरेलू और व्यावसायिक मांग कई क्षेत्रों में बढ़ जाती है। इस अंतर को भरने के लिए बैटरी भंडारण, पंप्ड स्टोरेज, जल विद्युत, परमाणु ऊर्जा और पर्याप्त नियंत्रित उत्पादन क्षमता की जरूरत है। सवाल यह है कि क्या हमारी योजनाएं इन व्यवस्थाओं को उसी गंभीरता से विकसित कर रही हैं, जिस गंभीरता से सौर क्षमता के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं? यदि भंडारण और ग्रिड की तैयारी पीछे रह गई, तो नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार भी नई अस्थिरता पैदा कर सकता है।

बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय बदहाली इस संकट का एक ऐसा पहलू है जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्षों से घाटे में चल रही वितरण कंपनियां, तकनीकी नुकसान, बिजली चोरी, कमजोर बिलिंग व्यवस्था और राजनीतिक दबाव के कारण आर्थिक रूप से कमजोर होती रही हैं। मुफ्त बिजली और सब्सिडी की राजनीति अपनी जगह है, लेकिन यदि उसका भुगतान समय पर और पारदर्शी तरीके से नहीं होता, तो अंततः नुकसान बिजली व्यवस्था को उठाना पड़ता है। उपभोक्ता को राहत देने के नाम पर वितरण कंपनियों को वित्तीय संकट में छोड़ देना दूरदर्शी नीति नहीं है। सरकारों को यह समझना होगा कि कमजोर डिस्कॉम के सहारे विश्वस्तरीय बिजली व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती।

पारेषण व्यवस्था भी बिजली क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण कमजोरी है। बिजली उत्पादन बढ़ा देना पर्याप्त नहीं, यदि उसे जरूरत वाले क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए नेटवर्क मजबूत न हो। कई बार बिजली की उपलब्धता और बिजली की जरूरत अलग-अलग क्षेत्रों में होती है, लेकिन सीमित पारेषण क्षमता के कारण उसका प्रभावी उपयोग नहीं हो पाता। आधुनिक ट्रांसमिशन लाइनें, अंतरराज्यीय नेटवर्क, स्मार्ट ग्रिड और तकनीकी निगरानी पर निवेश अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। बिजली व्यवस्था में एक कमजोर कड़ी पूरे तंत्र को प्रभावित कर सकती है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

क्या मशीनों में भी विकसित हो सकती है चेतना?

यूथ इंडिया

हाल ही में मेरी मुलाकात एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से हुई, जो एक बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनी में काम करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में मेरी रुचि को देखते हुए मुझे लगा कि उनसे इस विषय पर दिलचस्प बातचीत होगी। लेकिन जब मैंने बताया कि मैं एआई से जुड़े नैतिक सवालों पर काम करती हूं और मेरे शोध का एक अहम प्रश्न यह भी है कि क्या भविष्य में मशीनों में चेतना विकसित हो सकती है, तो वह हंस पड़े। उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कहा कि मशीनों में चेतना आने की कोई संभावना नहीं है। इसके बाद उन्होंने उलटे मुझसे ही पूछ लिया कि क्या मुझे पता है कि लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) आखिर काम कैसे करते हैं?

उनका सवाल सुनकर मैं कुछ पल के लिए चुप रह गई। मेरे शोध के लिए एलएलएम की कार्यप्रणाली को समझना जरूरी है, लेकिन इस विषय की एक जटिल सच्चाई यह भी है कि इन मॉडलों को विकसित करने वाले विशेषज्ञ भी इनके भीतर होने वाली तमाम प्रक्रियाओं को पूरी तरह नहीं समझते। उस समय मुझे उनसे एक सवाल पूछना चाहिए था—क्या वह खुद जानते हैं कि चेतना कैसे काम करती है?

दरअसल, चेतना को लेकर मानव ज्ञान आज भी अधूरा है। सदियों से वैज्ञानिक और दार्शनिक इस सवाल पर विचार करते आए हैं कि चेतना आखिर पैदा कैसे होती है, लेकिन अब तक इस पर कोई सर्वमान्य निष्कर्ष नहीं निकल पाया है। कुछ सिद्धांतों के मुताबिक चेतना के लिए जीवित कोशिकाओं में होने वाली विशिष्ट जैविक और विद्युत गतिविधियां जरूरी हैं, जो कंप्यूटर में मौजूद नहीं होतीं। इस नजरिये से मशीनों में चेतना विकसित होने की संभावना बेहद सीमित दिखाई देती है। इसके विपरीत, कुछ अन्य सिद्धांत मानते हैं कि चेतना का संबंध किसी प्रणाली के जैविक होने से ज्यादा उसकी संरचना और काम करने के तरीके से हो सकता है।

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वार

प्रयागराज शहर की सड़कों की 33 मशीनों से हो रही नियमित धुलाई, धूल प्रदूषण पर लगेगी लगाम

नगर निगम चला रहा विशेष अभियान, 19 मिनी स्प्रिंकलर, सात बड़ी स्प्रिंकलर और सात मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनें लगाई गईं

प्रयागराज।

शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार और धूल प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए नगर निगम की ओर से नियमित धुलाई और जल छिड़काव अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों, फुटपाथों, डिवाइडरों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई के साथ धुलाई कराई जा रही है। अभियान में कुल 33 मशीनें लगाई गई हैं। नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा के निर्देशन में यह कार्य निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार कराया जा रहा है।

नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने शनिवार को बताया कि शहर में धूल के जमाव को कम करने और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए नियमित रूप से मशीनों का संचालन कराया जा रहा है। इसके तहत 19 मिनी स्प्रिंकलर, सात बड़ी स्प्रिंकलर और सात मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों की मदद ली जा रही है। इन मशीनों से सड़कों पर पानी का छिड़काव करने के साथ प्रमुख मार्गों, चौराहों और फुटपाथों की धुलाई की जा रही है।

उन्होंने बताया कि अभियान में सड़कों के साथ रोड साइड की पटरियों, डिवाइडरों, मूर्तियों और पेड़-पौधों की भी नियमित सफाई और धुलाई कराई जा रही है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार मशीनों का संचालन कर धूल को नियंत्रित करने और शहर की स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

नगर आयुक्त ने नागरिकों से अपील की कि सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फैलाएं और स्वच्छता बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

अवैध प्लॉटिंग करने वालों पर पुलिस का शिकंजा, तीन मुकदमे दर्ज

एयरपोर्ट और पूरामुफ्ती क्षेत्र में बिना मानचित्र स्वीकृत कराए विकसित की जा रही थीं कॉलोनियां, पीडीए की तहरीर पर कार्रवाई

प्रयागराज।

अवैध प्लॉटिंग कर अनधिकृत कॉलोनियां विकसित करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की ओर से दी गई तहरीरों के आधार पर एयरपोर्ट और पूरामुफ्ती थानों में तीन मुकदमे दर्ज किए गए हैं। आरोप है कि संबंधित लोगों ने सक्षम प्राधिकारी से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना जमीन पर अवैध रूप से प्लॉटिंग की थी। कुछ भूखंडों की बिक्री में अनियमितता और एक ही भूखंड को कई लोगों को बेचने की शिकायतें भी सामने आई हैं। यह जानकारी शनिवार को पुलिस उपायुक्त नगर सागर जैन ने दी।

उन्होंने बताया कि नगर जोन के अंतर्गत अवैध प्लॉटिंग के मामलों में पीडीए की शिकायतों पर कार्रवाई की गई है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने 16 नवंबर को संबंधित स्थलों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की थी।

इस दौरान मौके पर मौजूद भूखंड खरीदारों ने आरोप लगाया कि संबंधित लोगों ने अवैध रूप से प्लॉटिंग कर भूखंडों का क्रय-विक्रय किया। कुछ मामलों में एक ही भूखंड कई खरीदारों को बेचने और अन्य भूखंडों पर कब्जा दिलाने में अनियमितता की शिकायतें भी मिलीं।

डीसीपी सागर जैन ने बताया कि एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के मौजा गांजा में फाजिल जाफरी और अन्य के खिलाफ पीडीए की तहरीर पर मुकदमा संख्या 200/2026 दर्ज किया गया है।

मुलायम सिंह यादव की जयंती: भावुक हुए अखिलेश यादव, साझा की अपने पिता से मिलीं जीवन की दो सबसे बड़ी सीख

लखनऊः

समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के पूर्व रक्षा मंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की आज 87वीं जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने पिता 'नेताजी' को याद करते हुए एक भावुक संदेश साझा किया है। अखिलेश ने न केवल नेताजी के समाजवादी सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया, बल्कि अपने पिता से मिलीं जीवन की दो सबसे महत्वपूर्ण सीख भी देश और प्रदेशवासियों के सामने रखीं।

सोशल मीडिया पर साझा किया भावुक संदेश

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर नेताजी को कोटि-कोटि नमन करते हुए लिखा कि आज हम उनके समाजवादी सिद्धांतों और मानवीय-व्यावहारिक मूल्यों को और भी अधिक दृढ़ता के साथ आत्मसात करने तथा जीवन के हर क्षेत्र में सक्रिय करने का संकल्प दोहराते हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में पिता के साथ बिताए पलों और उनकी कार्यशैली से मिले अनुभवों को बेहद सरल शब्दों में बयां किया।



अखिलेश यादव द्वारा साझा की गईं नेताजी की दो बड़ी सीखः

• 1. बुरे वक्त में साथ देना और निस्वार्थ मदद करनाः

अखिलेश ने बताया कि नेताजी से उन्होंने जो सबसे सरल और बड़ा सबक सीखा, वह था–किसी के बुरे वक्त में उसके साथ खड़े रहना। नेताजी का मानना था कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से क्यों न हो, यदि मदद की उम्मीद लेकर दरवाजे पर आए, तो उसकी यथासंभव सहायता जरूर करनी चाहिए।

• 2. रिश्तों में कड़वाहट भुलाकर हाथ आगे बढ़ानाः

दूसरी बड़ी सीख का जिक्र करते हुए अखिलेश ने लिखा कि नेताजी ने उन्हें यह भी सिखाया कि हो सकता है कोई व्यक्ति किसी वजह या दबाव के चलते आपके खिलाफ हो गया हो, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर कोई हमेशा बुरा या खराब ही होता है। इसलिए, जब कभी कोई सच्चे मन और निस्वार्थ भाव से रिश्ते सुधारने के लिए कदम बढ़ाए, तो अपनी तरफ से हाथ आगे बढ़ाने में कभी पीछे नहीं हटना चाहिए।

सियासी गलियारों में इस संदेश के मायने

अखिलेश यादव की इस पोस्ट के राजनीतिक और सामाजिक दोनों तरह के मायने निकाले जा रहे हैं। एक तरफ जहां यह एक बेटे की अपने पिता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, वहीं दूसरी तरफ सियासी जानकार 'रिश्ते सुधारने और हाथ आगे बढ़ाने' वाली बात को आगामी राजनीति के लिहाज से भी एक बड़े संदेश के रूप में देख रहे हैं।

दिग्गजों ने भी दी श्रद्धांजलि

नेताजी की जयंती पर केवल समाजवादी पार्टी ही नहीं, बल्कि अन्य दलों के वरिष्ठ नेताओं ने भी उन्हें याद किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, सपा सांसद डिंपल यादव समेत तमाम राजनीतिक हस्तियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से मुलायम सिंह यादव के योगदान को याद करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। गौरतलब है कि 22 नवंबर 1939 को इटावा के सैफई गांव में जन्मे मुलायम सिंह यादव ने जमीनी संघर्ष से निकलकर भारतीय राजनीति में एक बड़ा मुकाम हासिल किया। वे तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और देश के रक्षा मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। 10 अक्टूबर 2022 को उनका निधन हो गया था, जिसके बाद भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया। आज उनकी जयंती के अवसर पर प्रदेश भर में सपा कार्यकताओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों और जनसेवा के माध्यम से उन्हें याद किया जा रहा है।

नकली दवाओं से मौत का कारोबार: हिमाचल में सुनील की 5 फैक्टरियां, गुजरात व मुंबई तक होती सप्लाई; जांच में खुलासा



लखनऊ

यूपी एसटीएफ की जांच में खुलासा हुआ है कि नकली दवाओं का यह अंतरराज्यीय सिंडिकेट यूपी-बिहार के अलावा हिमाचल से लेकर गुजरात और मुंबई तक फैला हुआ था। मुख्य आरोपी सुनील की पांच और अवैध फैक्टरियों का पता चला है जो घरों में चल रही थीं, और पुलिस अब सुनील समेत चार फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

नकली दवाओं की सप्लाई सिर्फ यूपी, बिहार ही नही गुजरात से लेकर मुंबई तक की जा रही थी। एसटीएफ की तफ्तीश में इसका खुलासा हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों से जुड़े कई दवा तस्करों के बारे में एसटीएफ को जानकारी मिली है जो गुजरात से लेकर मुंबई तक नकली दवाओं की सप्लाई करते हैं। वहीं जिस सुनील कुमार की नकली दवाओं की फैक्टरी पकड़ी गई है, उसकी पांच और फैक्टरियों के बारे में खुलासा हुआ है। घरों में चल रहीं इन फैक्टरियों से सिर्फ नकली दवाओं का निर्माण कर सप्लाई किया जा रहा था। सुनील की तलाश जारी है।

यूपी एसटीएफ और एफएसडीए नकली दवाओं का अवैध कारोबार करने वालों पर शिकंजा कस रही है। तीन आरोपियों अभिषेक सिंह, हसीन और मोनू कुमार को गिरफ्तार किया था। मोनू सीधे दवा फैक्टरियों से जुड़ा था। हसीन बिचौलिया था, जबकि अभिषेक उसके जरिये यूपी और बिहार में नकली दवाएं सप्लाई करता था। हसीन का भाई वसीम जो केस में आरोपी है वह पश्चिम यूपी, हरियाणा और पंजाब में नकली दवाओं की सप्लाई करता था। उसकी तलाश जारी है।

यूपी बोर्ड की परीक्षा केंद्र सूची में अब नहीं जुड़ेंगे नए केंद्र

प्रयागराज।

यूपी बोर्ड की वर्ष 2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण प्रक्रिया के दूसरे चरण में अब नए परीक्षा केंद्र नहीं जोड़े जाएंगे। इस चरण में केवल परीक्षार्थियों को आवंटित केंद्रों की दूरी और केंद्रों की निर्धारित क्षमता से अधिक आवंटन से जुड़ी विसंगतियों का ही निस्तारण किया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि शासनादेश में जिला स्तर से संस्तुत परीक्षा केंद्रों की सूची में दूसरे चरण के दौरान



नए केंद्र जोड़ने का कोई प्रावधान नहीं है।

सचिव की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 16 नवंबर 2026 को केंद्र निर्धारण प्रक्रिया के तहत दूसरे चरण में राज्य स्तर पर आपत्तियां और प्रत्यावेदन आमंत्रित किए गए थे। इस चरण में केंद्र आवंटन के दौरान परीक्षार्थियों की दूरी और केंद्रों की धारण क्षमता से अधिक आवंटन संबंधी विसंगतियों को दूर किया जाएगा।

इसके अलावा किसी नए परीक्षा केंद्र को सूची में शामिल नहीं किया जा सकेगा।

सचिव भगवती सिंह ने इस विज्ञप्ति को शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), समस्त मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, उप शिक्षा निदेशक, जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को भी आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रतिलिपि भेजा है।

बीएचयू के सर सुंदरलाल हॉस्पिटल और ट्रामा सेंटर में चिकित्सा लापरवाही पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

उच्च न्यायालय ने सीबीआई जांच की मांग की याचिका पर कुलपति एवं रजिस्ट्रार से 10 दिनों में मांगा हलफनामा,रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने का निर्देश



प्रयागराज।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सर सुंदरलाल अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में कथित चिकित्सा लापरवाही और वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। जस्टिस सीडी सिंह और जस्टिस तरूण सक्सेना की खंडपीठ ने इस याचिका पर सभी पक्षकारों से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट इस याचिका पर आगामी 11 दिसंबर को सुनवाई करेगी।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया कई जांच रिपोर्ट व तथ्यों को देखने के बाद इस मामले में कोर्ट द्वारा विचार की आवश्यकता है। कोर्ट ने कहा कि कई जांच रिपोर्ट व कुलपति/ रजिस्ट्रार की तरफ से कोई एक्शन न लेने को कोर्ट अनदेखी नहीं कर सकती। इस कारण कोर्ट ने कुलपति/ रजिस्ट्रार बीएचयू को निर्देश दिया है कि वह दवाओं की खरीदारी को लेकर हुई सभी जांच रिपोर्ट को संक्षिप्त हलफनामा दाखिल कर कोर्ट में 10 दिनों में प्रस्तुत करे। विश्वविद्यालय को निर्देश दिया गया है कि वह खरीददारी, टेंडर, सप्लाई, स्टाक रजिस्टर, पेमेंट बाउचर और दवाओं से सम्बंधित बिलों को सुरक्षित रखें। कोर्ट ने निर्देश दिया कि यदि समय पर हलफनामा दाखिल नहीं किया जाता है तो कुलपति अथवा रजिस्ट्रार केस की अगली सुनवाई की तिथि 11 दिसंबर को हाजिर होंगे।

वाराणसी निवासी अमित कुमार मिश्र ने याचिका दाखिल कर उक्त आरोपों की सीबीआई अथवा किसी स्पेशल जांच एजेंसी से जांच कराने की मांग की है।

मुख्य आरोप और मांगे-

गंभीर लापरवाहीः ऑपरेशन थिएटर में नकली गैस की आपूर्ति से चार मरीजों की मौत और गलत मरीज का ऑपरेशन करने का आरोप है। भ्रष्टाचार और सुरक्षा जोखिम का भी आरोप है। चिकित्सा उपकरणों की खरीद में वित्तीय अनियमितताओं और पुरानी सीटी स्कैन मशीन के उपयोग से कैंसर के खतरे का दावा किया गया है।

चिकित्सक की सलाह के बिना बीच में नहीं छोड़ना चाहिए एंटीबायोटिक दवा : डॉ. हिमांशी

कानपुर।

एंटीबायोटिक दवाओं का बिना जरूरत सेवन और चिकित्सक की सलाह के बिना बीच में दवा छोड़ना भविष्य में सामान्य संक्रमण का इलाज भी मुश्किल बना सकता है। जीवाणुओं में दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने से यह खतरा लगातार बढ़ रहा है। यह बातें शनिवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में एमबीबीएस विद्यार्थियों को जागरूकता कार्यक्रम के दौरान



सहायक आचार्य डॉ. हिमांशी प्रकाश ने कहीं।

मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में 18 से 24 नवंबर तक रोगाणुरोधी प्रतिरोध जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम ह्यवन हेल्थ, वन एक्शन : प्रिवेंट एएमआर नाउह्न रखी गई है। शुक्रवार को एलटी-2 में डॉ. हिमांशी प्रकाश ने एमबीबीएस पैरा टी-2 के विद्यार्थियों को रोगाणुरोधी प्रतिरोध के कारण, प्रकार और बचाव के उपाय बताए। इसके बाद पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने एंटीबायोटिक के सही इस्तेमाल का संदेश दिया। पोस्टरों के जरिए बताया गया कि एंटीबायोटिक जीवाणु संक्रमण में प्रभावी हैं, वायरल संक्रमण में इनका उपयोग नहीं करना चाहिए। चिकित्सक की सलाह से शुरू की गई दवाओं का निर्धारित कोर्स पूरा करना जरूरी है। डॉ. दीप्ति मिश्रा और डॉ. सना आफरीन के निर्देशन में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें पैरा टी-2 के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। आज जागरूकता रैली और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने पोस्टर और रंगोली के माध्यम से आमजन को एंटीबायोटिक के अनुचित इस्तेमाल से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया।

जननायक एक्सप्रेस में जीआरपी सिपाहियों और महिला यात्रियों के बीच मारपीट, वीडियो वायरल

मुरादाबाद।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर जननायक एक्सप्रेस में सीट को लेकर हंगामा हो गया। छठ मनाकर लुधियाना लौट रहे एक परिवार के साथ सीट को लेकर जीआरपी सिपाहियों से कहासुनी हो गई। आरोप है कि जीआरपी सिपाहियों ने महिलाओं और उनकी बेटियों के साथ अभद्रता की और विरोध करने पर महिलाओं को पीटा भी। ट्रेन के अंदर यात्रियों ने पीड़िताओं का पक्ष लिया तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें भी नहीं छोड़ा। नजीबाबाद में जीआरपी ने उन्हें उतार लिया और पीडितो के



खिलाफ ही शनिवार को रिपोर्ट दर्ज कर दी। ट्रेन के अंदर हुई मारपीट का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार शनिवार को एक महिला शिवराजपुर बिहार से अपनी तीन पुत्रियों के साथ छठ पूजा मनाकर जननायक एक्सप्रेस से लुधियाना लौट रही थी। आरोप है कि मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से ट्रेन के निकलने के बाद जीआरपी के दो पुलिसकर्मी जिनका नाम अजय कुमार व सागर बताया गया है। पुलिस कर्मी अपनी परीचित दो महिला यात्रियों को जबरन सीट दिला रहे थे। एक महिला को सीट मिल गई थी। दूसरी को सीट दिलाने के दौरान कहासुनी हो गई। नजीबाबाद रेलवे स्टेशन पर महिला रूबी पत्नी शर्मा प्रसाद शिवराजपुर बिहार व उनकी तीन पुत्री लक्ष्मी, खुशी और सुनीता के साथ दो मददगार पिक्कू व चन्दन को ट्रेन से उतार लिया। दोनों उनके पक्ष में पुलिस कर्मियों से बात कर रहे थे। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने महिला और उनकी पुत्रियों के साथ अभद्रता शुरू कर दी और वीडियो बनाने लगे। सीट पर पहले से बैठी महिला और तीनों लड़कियों ने भी अपने मोबाइल से वीडियो बनाया। घटना के दौरान ट्रेन में कहासुनी और धक्का-मुक्की हुई। जिसमें महिला घायल हो गई। आरोप लगाया कि उसका मगलसूत्र भी तोड़ दिया।

गौकशी के वांछित आरोपित से मुठभेड़, पैर में लगी गोली

कानपुर।

उत्तर प्रदेश के कानपुर में रेलबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार को गौकशी की घटना में वांछित आरोपित और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। शिवनारायण टंडन पुल के पास घेराबंदी के दौरान आरोपित ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लग गई। पुलिस ने घायल आरोपित को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि आज सुबह रेलबाजार पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान



मुखबिर से सूचना मिली कि फेथफुलगंज में हुई गौकशी की घटना में वांछित आरोपित शिवनारायण टंडन पुल के पास मौजूद है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ने का प्रयास किया तो उसने पुलिसकर्मियों पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस की आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपित के बाएं पैर में गोली लगी।

घायल आरोपित की पहचान मोहम्मद मुजम्मिल कुरैशी उर्फ मीम निवासी पचरोजा, जाजमऊ के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, 60 रुपये, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपित ने अपने भाई एहतिशाम के साथ मिलकर 17/18 नवंबर की रात आजाद पार्क, फेथफुलगंज के पास गौकशी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। घायल आरोपित का अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। उपचार के बाद उसके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कार्तिक पूर्णिमा से पहले यमुना तट पर चलाया सफाई अभियान

172वें चरण में पॉलीथिन, प्लास्टिक और अपशिष्ट हटाकर स्नान स्थल को किया साफ, श्रद्धालुओं को मिलेगी सहूलियत

औरैया।

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व को देखते हुए समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति की ओर से रविवार को यमुना तट पर 172वें चरण का सफाई अभियान चलाया गया। संस्था के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) के नेतृत्व में सुबह आठ बजे शुरू हुए अभियान में सदस्यों ने स्नान स्थल और प्रतीक्षालय (बरामदे) से पॉलीथिन, प्लास्टिक, कूड़ा-कचरा और अन्य अपशिष्ट एकत्रित कर हटाया। सफाई अभियान का उद्देश्य कार्तिक पूर्णिमा पर यमुना में स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण और बेहतर सुविधाएं



उपलब्ध कराना है।

समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि संगठन की ओर से लगभग एक दशक से जनहित में श्मशान घाटों, धार्मिक स्थलों, प्राचीन विश्राम स्थलों और पिंडदान स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। कार्तिक पूर्णिमा पर औरैया शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुना नदी में आस्था की डुबकी लगाने पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियों में स्नान करना पुण्यदायी माना जाता है। इस अवसर पर भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना भी की जाती है।

उन्होंने कहा कि नदियां हमारी प्राकृतिक धरोहर और जीवन का महत्वपूर्ण आधार हैं। इनका संरक्षण करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।

बारात चढ़ाते समय बग्गी में दौड़ा करंट, दो बैंडकर्मियों की मौत, एक घायल

फिरोजाबाद।

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में थाना सिरसागंज क्षेत्र अन्तर्गत शनिवार देर रात बरात चढ़ते समय बग्घी में हाइटेंशन लाइन का करंट दौड़ने से दो बैंडकर्मियों की मौत हो गई। वहीं एक झुलस गया। दूल्हे ने बग्गी से कूदकर जान बचाई। पुलिस मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाई है।



थाना सिरसागंज क्षेत्र के गांव दौलतपुर बैजुआ में सर्वेश वाल्मीकि की बेटी निशा की बारात मथुरा के फरह से आई थी। शनिवार रात बरात गांव में घूम रही थी। इसी दौरान प्राथमिक स्कूल के पास बग्घी का ऊपरी हिस्सा वहां से गुजर रही 11 हजार वोल्टेज की लाइन से छू गया जिससे बग्घी में करंट दौड़ गया। उसमें लगे दो घोड़े और उन्हें पकड़ कर चल रहे दो बैंडकर्मी झुलस गए। जिससे बैंडकर्मियों के साथ ही दोनों घोड़ों की भी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूल्हे ने बग्गी से कूदकर अपनी जान बचाई। इस घटना से बारात में अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पहुंच गई। मृतक बैंडकर्मियों की पहचान पप्पू निवासी मियां बाजार और अकील निवासी नगला राधे थाना सिरसागंज के रूप में हुई है। घटना में एक अन्य बैंडकर्मी भी घायल हो गया।

शुकतीर्थ में आज आएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत, राष्ट्रचेतना को देंगे नई ऊर्जा

मोरना (मुजफ्फरनगर)।
भागवत की उद्गम स्थली शुकतीर्थ में धार्मिक आस्था के साथ राष्ट्रचिंतन और सामाजिक जागरूकता की गतिविधियां भी लगातार विस्तार ले रही हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उससे जुड़े संगठनों के चिंतन शिविर, बैठकें, प्रशिक्षण वर्ग तथा सामाजिक कार्यक्रमों के जरिए राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता और नागरिक दायित्वों के विचार को गति मिल रही है। इसी क्रम में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत रविवार को पहली बार तीर्थ नगरी पहुंचेंगे। उनके आगमन को लेकर स्वयंसेवकों और श्रद्धालुओं में उत्साह है।

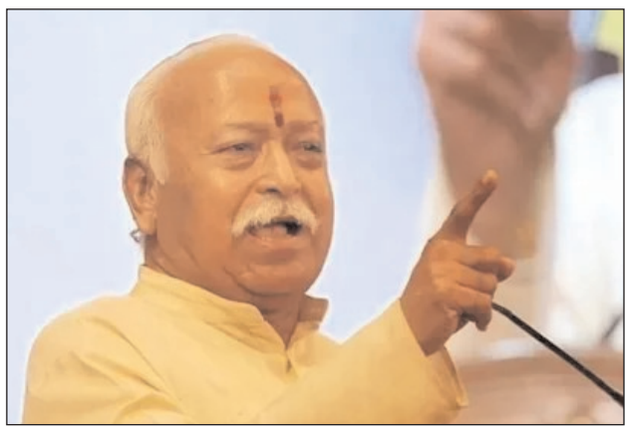

शुकतीर्थ में संघ की वैचारिक गतिविधियों का सिलसिला पुराना है। वर्ष 2022 में शिव धाम में प्रांतीय चिंतन शिविर आयोजित हुआ था। दंडी आश्रम और श्रीराम आश्रम भी संघ से जुड़े संगठनों की बैठकों, चिंतन और प्रशिक्षण वर्गों के केंद्र रहे हैं।
इन कार्यक्रमों में राष्ट्रहित, भारतीय परंपराओं, सांस्कृतिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और समाज के प्रति कर्तव्यबोध पर मंथन होता रहा है। श्रीराम आश्रम में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, मेरठ प्रांत का दो दिवसीय प्रांतीय अभ्यास वर्ग भी आयोजित हो चुका है।
राष्ट्रवाद, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को मिल रही धार संघ की इन गतिविधियों के बीच डॉ. मोहन भागवत का पहली बार शुकतीर्थ आगमन महत्वपूर्ण माना जा रहा है।
संतों की तपस्थली, गंगा की पावन धारा और महर्षि शुकदेव की आध्यात्मिक विरासत से जुड़ी इस नगरी में उनका प्रवास धार्मिक आस्था के साथ राष्ट्र, समाज और संस्कृति के प्रति समर्पण के संदेश को नई ऊर्जा देगा।
उनके आगमन से शुकतीर्थ की पहचान आध्यात्मिक केंद्र के साथ राष्ट्रचिंतन और सांस्कृतिक चेतना की भूमि के रूप में भी और मजबूत होने की उम्मीद है।

यह रहेगा कार्यक्रम

उत्तराखंड के तीन दिवसीय प्रवास के बाद संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत रविवार शाम छह बजे रुड़की से शुकतीर्थ स्थित भागवत पीठ पहुंचेंगे।
यहां सबसे पहले शुकतीर्थ के जीर्णोद्धारक वीतराग स्वामी कल्याणदेव महाराज के समाधि मंदिर में पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज के साथ शंखनाद और मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।
शुकदेव आश्रम में रात्रि विश्राम करेंगे। सोमवार सुबह 9:15 बजे राष्ट्र के कल्याण, सुख और समृद्धि की कामना के साथ प्राचीन यज्ञशाला में आयोजित यज्ञ में आहुति देंगे।
इसके बाद वेद व्यास मंदिर का लोकार्पण और भागवत कथा भवन का शिलान्यास करेंगे।
प्राचीन अक्षय वटवृक्ष की परिक्रमा के बाद शुकदेव मंदिर और सप्तऋषि भगवान श्रीकृष्ण मंदिर में विशेष पूजन-अर्चन करेंगे।

बिजनौर में 25 नवंबर को बंद रहेगी मांस की दुकानें, डीएम जोगिंदर सिंह का आदेश जारी



बिजनौर।
प्रसिद्ध भारतीय शिक्षाविद् और आध्यात्मिक संत साधु टीएल वासवानी (Sadhu T.L. Vaswani) की जयंती के अवसर पर आगामी 25 नवंबर को पूरे बिजनौर जिले में 'नो नॉन-वेज डे' (मांस रहित दिवस) मनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश शासन के दिशा-निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी (डीएम) जोगिंदर सिंह ने जिले के सभी नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित मांस की दुकानों व पशुवधशालाओं (स्लॉटर हाउस) को पूर्ण रूप से बंद रखने के सख्त आदेश जारी किए हैं।

प्रशासनिक अधिकारियों को सख्ती से पालन कराने के निर्देश

जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि 25 नवंबर को जिले की सीमा के भीतर कहीं भी मांस, मछली या अन्य मांसाहारी खाद्य पदार्थों की बिक्री नहीं की जाएगी। इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए डीएम ने सभी नगर पालिका परिषदों, नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों (एड), पुलिस प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है।
प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि 25 नवंबर को कोई भी दुकानदार या स्लॉटर हाउस संचालक आदेश की अवहेलना करते हुए दुकान खोलता है या मांस की बिक्री करता हुआ पाया जाता है, तो उसके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

क्यों मनाया जाता है 'नो नॉन-वेज डे'?

उत्तर प्रदेश सरकार ने महापुरुषों और अहिंसा के पुजारियों के सम्मान में उनकी जयंती पर मांस की दुकानें बंद रखने की नीति लागू की है। महावीर जयंती, बुद्ध जयंती, गांधी जयंती और महाशिवरात्रि की तर्ज पर ही 25 नवंबर को साधु टीएल वासवानी की जयंती को पूरे प्रदेश में 'मांस रहित दिवस' घोषित किया गया है।
कौन थे साधु टीएल वासवानी?
ड्ड जन्म और शिक्षाः साधु थांवरदास लीलाराम वासवानी का जन्म 25 नवंबर 1879 को अविभाजित भारत के हैदराबाद (सिंध, अब पाकिस्तान) में हुआ था।

सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चला रही कल्याणकारी योजनाएं : पीयूष रंजन निषाद

प्रयागराज।
केंद्र और प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के सामाजिक उत्थान और स्वावलंबन के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही हैं। सरकार के समन्वित प्रयासों से उत्तर प्रदेश चहुंमुखी विकास की ओर बढ़ रहा है। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहायक उपकरणों का वितरण सराहनीय पहल है। यह बातें करछना विधायक पीयूष रंजन निषाद ने शनिवार को विकास खंड परिसर करछना में आयोजित कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम में कहीं।



उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए विभाग को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक पीयूष रंजन निषाद और विशिष्ट अतिथि क्षेत्र पंचायत प्रमुख सरोज कमलेश द्विवेदी ने अपने हाथों से 101 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए। इनमें 50 ट्राइसाइकिल, तीन व्हीलचेयर, चार स्मार्ट केन, चार एमआर किट और 80 कान की मशीन शामिल हैं। इस प्रकार कुल 141 सहायक उपकरण वितरित किए गए।
जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अशोक कुमार गौतम ने विभाग की ओर से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और दिव्यांगजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।
इस अवसर पर बचपन डे केयर सेंटर के समन्वयक चंद्रभान द्विवेदी, आशीष वर्मा, शैलेंद्र कुमार दूबे, राजू सहित दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के कर्मचारी, विकास खंड करछना के कर्मचारी और बड़ी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित रहे।

ओपन रोलर स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप : मेजबान दिल्ली पब्लिक स्कूल ओवर आल चैंपियन

मुरादाबाद।
दिल्ली पब्लिक स्कूल मुरादाबाद में ओपन रोलर स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया गया। दिल्ली पब्लिक स्कूल के पीईएफआई चैप्टर, मुरादाबाद के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में मुरादाबाद के लगभग 12 विद्यालयों के करीब 120 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और अपनी गति, कौशल एवं खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। मेजबान दिल्ली पब्लिक स्कूल ओवर आल चैंपियन रहा।



प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने विभिन्न व्यक्तिगत स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सभी खिलाड़ियों द्वारा अर्जित अंकों के आधार पर विद्यालयों की ओवरऑल चैंपियनशिप रैंकिंग निर्धारित की गई। इसमें गोल्डन गेट ग्लोबल स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। मेजबान दिल्ली पब्लिक स्कूल मुरादाबाद ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर ओवरऑल प्रथम रनर अप का गौरव हासिल किया, जबकि पीएमएस पब्लिक स्कूल तृतीय स्थान पर रहा। विजेता विद्यालयों को ओवरऑल ट्रॉफी एवं पदक प्रदान किए गए।
प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूलए पीएमएस पब्लिक स्कूलए गोल्डन गेट ग्लोबल स्कूल, स्प्रिंगफील्ड, सीएलजी शिरडी साईं स्कूल केसीएम, एमपीएस एवं आरएसडी सेंट मेरीज एमपीएस, सीएलजी सहित मुरादाबाद के लगभग 12 सेंट मेरीज, एमपीएस सीएलजी सहित मुरादाबाद के लगभग 10 विद्यालयों के खिलाड़ियों ने सहभागिता की।

गंगा सेवा निधि की आरती में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता जी के निधन पर शनिवार को वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा सेवा निधि की ओर से आयोजित सांध्यकालीन गंगा आरती के दौरान भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर मां गंगा की गोद में दीपदान कर दिवंगत पुण्यात्मा की शांति एवं सद्गति के लिए बाबा श्री काशी विश्वनाथ से प्रार्थना की गई। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं और गंगा सेवा निधि के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान पूरा दशाश्वमेध घाट शोक और संवेदना के भाव से सराबोर नजर आया। श्रद्धालुओं ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्रा ने कहा कि ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि समस्त काशीवासियों की ओर से बाबा श्री काशी विश्वनाथ और मां गंगा से यही प्रार्थना है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में गंगा सेवा निधि के सचिव सुरजीत सिंह, सचिव हनुमान यादव सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

लखनऊ में प्रस्तावित 26 नवंबर की महारैली से बदलेगी प्रदेश की राजनीति की दिशा : अशोक कुमार

लखनऊ में आयोजित होगी आजाद समाज पार्टी की बहुजन स्वराज संकल्प महारैली, प्रयागराज मंडल के पदाधिकारियों ने की तैयारी

प्रयागराज।
आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की 26 नवंबर को लखनऊ में आयोजित होने वाली बहुजन स्वराज संकल्प एवं सामाजिक परिवर्तन मोर्चा महारैली प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश की राजनीति को नई दिशा देने वाली होगी। इस शक्ति प्रदर्शन से पार्टी अपनी ताकत का एहसास कराएगी। आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी और उसके समर्थन के बिना किसी की भी सरकार नहीं बनेगी। यह बातें शनिवार को इलाहाबाद न्यूज रिपोर्टर क्लब में मीडिया से वार्ता करते हुए आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रयागराज मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी अशोक कुमार ने कहीं।
उन्होंने बताया कि पार्टी की ओर से 26 नवंबर को लखनऊ में स्थित माता रमाबाई आंबेडकर पार्क में बहुजन स्वराज संकल्प महारैली का आयोजन किया गया है। इसमें भीम आर्मी प्रमुख एवं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के असादुदीन ओवैसी भी शामिल होंगे। महारैली में बहुजन समाज, पिछड़े, अल्पसंख्यक और वंचित वर्गों के लोगों के साथ बड़ी संख्या में युवाओं के जुटने की संभावना है।
अशोक कुमार ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद महारैली को संबोधित करेंगे। इसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी होगी। उन्होंने मंडल के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से महारैली को सफल बनाने के लिए जुटने का आह्वान किया।
महारैली में सहभागिता के लिए मंडल स्तर पर जिम्मेदारियां भी तय की गई हैं। इसमें अशोक कुमार, नरेंद्र गौतम, आकिब जफर, राशिद खान, प्रदीप कुमार गौतम, विजय सरोज और मुनव्वर खान सहित अन्य पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सिर कटी महिला के शव की नहीं हो सकी शिनाख्त

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मझगवां थाने के गिरवर गांव के जंगल में मिली सिर कटी महिला के शव की 24 घंटे बाद भी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस पूरी तरह से प्रयास में है कि मृतक महिला की शिनाख्त हो जाए। घटना के अनावरण को लेकर पुलिस की चार टीमें लगी हुई है। उल्लेखनीय है कि मझगवां थाने के गिरवर जंगल में शुक्रवार को एक महिला की सिर कटी लाश बरामद हुई थी। सूचना पर जब पुलिस पहुंची और जांच पड़ताल की। पुलिस ने काफी मशक्कत बाद धड़ से दूर सिर बरामद कर लिया।

गैर इरादतन हत्या के दोषी को 10 वर्ष की कैद, 10 हजार रुपये जुमार्ना

जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जौनपुर में अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय पशुपति नाथ मिश्रा की अदालत ने गैर इरादतन हत्या के मामले में दोषी रमेश विश्वकर्मा को शनिवार को 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।
अर्थदंड अदा नहीं करने पर दोषी को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।
अभियोजन पक्ष के अनुसार, सरपतहां थाना क्षेत्र के शेषपुर गांव में 25 फरवरी 2021 को गड्ढा खोदने को लेकर विवाद हुआ था।

टीजीटी भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 28 नवंबर तक कर सकेंगे आवेदन

आवेदन में संशोधन का अवसर भी 30 नवंबर तक बढ़ा, 23 और 24 दिसंबर को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी लिखित परीक्षा

प्रयागराज।
प्रशिक्षित स्नातक सहायक अध्यापक (टीजीटी) भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने राहत दी है। आयोग ने आवेदन की अंतिम तिथि 23 नवंबर से बढ़ाकर 28 नवंबर 2026 कर दी है। अभ्यर्थी अब 28 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा कर सकेंगे। वहीं, आवेदन में संशोधन करने का अवसर 30 नवंबर तक मिलेगा। यह जानकारी शनिवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने दी।



उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय में आशुतोष मिश्र व 156 अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य मामले में 20 नवंबर 2026 को पारित अंतरिम आदेश के अनुपालन में आयोग ने आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया है।
आयोग के उप सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि विज्ञापन संख्या 07/2026 का प्रकाशन 23 अक्टूबर को किया गया था। इसके तहत ऑनलाइन पंजीकरण (ओटीआर) और आवेदन की प्रक्रिया 24 अक्टूबर से शुरू हुई थी। पहले आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 23 नवंबर निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर अब 28 नवंबर कर दिया गया है। इसी तरह आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि भी बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी गई है।
अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने स्पष्ट किया कि आवेदन की तिथि बढ़ने के बावजूद लिखित परीक्षा के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। टीजीटी भर्ती की लिखित परीक्षा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 23 और 24 दिसंबर 2026 को ही आयोजित होगी।
उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे विस्तृत विज्ञापन का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर अपनी योग्यता के अनुसार निर्धारित समय सीमा में आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें।

सारनाथ के बाद अब शहर के चार और प्रमुख स्थानों पर सजेगा चटोरी चौक

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के सारनाथ में चटोरी चौक के बाद दूसरे चरण में अब शहर के चार और प्रमुख स्थानों पर चटोरी चौक विकसित किए जाएंगे। इसके लिए नगर निगम ने मैदागिन, कैंटोनमेंट, कबीर नगर और लहरतारा का चयन भी कर लिया है। इनमें से मैदागिन में निर्माण कार्य प्रारंभ भी हो चुका है, जबकि अन्य तीनों स्थानों पर भी जल्द ही काम शुरू होने जा रहा है। महापौर अशोक कुमार तिवारी ने शनिवार को बताया कि शहर के विभिन्न हिस्सों में बिखरे स्ट्रीट फूड वेंडरों को एक सुव्यवस्थित मंच देने और लोगों को स्वच्छ माहौल में बनारसी व्यंजनों का स्वाद उपलब्ध



कराने के उद्देश्य से इस परियोजना का विस्तार किया जा रहा है। खाली और उपेक्षित पड़ी सार्वजनिक जमीनों का पुनरुद्धार कर उन्हें जीवंत फूड स्ट्रीट के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे पहले सारनाथ की विरासत के समीप 45 दुकानों के साथ शुरू किए गए पहले 'चटोरी चौक' को स्थानीय लोगों और देशी-विदेशी पर्यटकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। यहां एक ही छत के नीचे चाट, कचौड़ी, कुल्हड़ चाय समेत काशी के पारंपरिक व्यंजनों के साथ ही स्वच्छ शौचालय, वॉशरूम, बैठने की उचित व्यवस्था और नियमित साफ-सफाई जैसे आधुनिक इंतजाम किए गए हैं। अब इसी मॉडल को शहर के अन्य चार हिस्सों में उतारने से न केवल स्ट्रीट फूड संस्कृति को नई पहचान मिलेगी, बल्कि अतिक्रमण कम होने से यातायात व्यवस्था भी सुगम होगी। उन्होंने बताया कि काशी आने वाले पर्यटकों और शहरवासियों को स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण में बनारसी जायके का आनंद मिले, यही हमारा लक्ष्य है।
सारनाथ की सफलता के बाद अब मैदागिन समेत चार नए स्थानों पर चटोरी चौक बनने से स्ट्रीट वेंडरों को सम्मानजनक रोजगार मिलेगा और शहर की सुंदरता भी बढ़ेगी।

मॉडिफाइड बाइकों पर कसा शिकंजा, 52 दोपहिया वाहनों के काटे ई-चालान, तीन बाइक सीज

अभियान के दौरान बाइक सवार 1857 संदिग्ध व्यक्तियों को चेक किया

मुरादाबाद।
मुरादाबाद महानगर में मॉडिफाइड साइलेंसर और नियमों को ताक पर रखकर सड़कों पर दौड़ाई जा रही मॉडिफाइड बाइकों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस ने नाकाबंदी अभियान चलाया। शनिवार की दोपहर तीन बजे से शाम सात बजे तक शहर के नौ थाना क्षेत्रों में पुलिस ने बैरियर लगाकर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच की। इस दौरान बाइक सवार 1857 संदिग्ध व्यक्तियों को चेक किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 52 ई-चालान किए गए, जबकि तीन वाहनों को सीज किया गया।
पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि अभियान में सबसे अधिक 570 लोगों की जांच सिविल लाइन थाना क्षेत्र में की गई। इसके अलावा कटघर में 280, पाकबड़ा में 188, मुगलपुरा में 242, कोतवाली में 132, गलशहीद में 140, नागफनी में 106, मझोला में 112 और मूंढापांडे में 87 संदिग्ध व्यक्तियों को चेक किया गया।

मोदहा चौराहा-मऊशिवाला मार्ग के चौड़ीकरण को मिली मंजूरी

अयोध्या।
अयोध्या में मोदहा चौराहा-मऊशिवाला मार्ग के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण को मंजूरी मिल गई है। 2.805 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर कुल 30.61 करोड़ रुपये खर्च होंगे। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता शशि भूषण सिंह ने बताया कि इस परियोजना के लिए हरी झंडी मिल गई है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में 3.06 करोड़ रुपये का आवंटन भी कर दिया गया है।
प्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग की ओर से जारी पत्र के अनुसार वित्त समिति द्वारा अनुमोदित लागत 30.61 करोड़ रुपये है, जिसमें पांच वर्षीय अनुरक्षण भी शामिल



है। यह मार्ग अयोध्या के महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी मार्गों में से एक है। इसके चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से स्थानीय लोगों के आवागमन में काफी सुविधा होगी। निर्माण के बाद पांच वर्षों तक मार्ग का नियमित रखरखाव भी सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे सड़क लंबे समय तक अच्छी स्थिति में बनी रहेगी।

तकनीकी स्वीकृति के बाद प्रारंभ होगा कार्य

लोक निर्माण विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के बाद ही कार्य प्रारंभ किया जाए। साथ ही भूमि अधिग्रहण एवं यूटिलिटी शिफ्टिंग का कार्य पूर्ण करने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू किया जाए।

पर्यटन और व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में पर्यटन और आवागमन बढ़ने के साथ ही सड़क अवसंरचना को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मोदहा चौराहा-मऊशिवाला मार्ग के विकास से न केवल स्थानीय निवासियों को लाभ मिलेगा, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

जाम से निजात व बड़े वाहनों का आवागमन होगा आसान

लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड सहायक अभियंता शशांक पाण्डेय ने बताया कि मार्ग चौड़ा होने से जाम की समस्या से निजात मिलेगी और बड़े वाहनों का आवागमन आसान होगा। आसपास के गांवों के किसानों, व्यापारियों और स्कूली बच्चों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। स्थानीय लोगों ने इस फैसले का स्वागत किया है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा शीघ्र कार्य आरंभ करने की तैयारी शुरू कर दी गई है।



दो साल बाद वापसी होने जा रही है बे की

सीरीज कॉल मी बे में बेला बे चौधरी के किरदार से बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने दर्शकों का दिल जीत लिया। करण जौहर द्वारा समर्थित इस सीरीज में अनन्या की कॉमिक टाइमिंग और एक अमीर परिवार की लड़की के किरदार में उनकी एक्टिंग दर्शकों को खूब पसंद आई। वह मुंबई में अकेले अपनी जिंदगी संभालती नजर आती हैं। अब पहले सीजन के दो साल बाद बे की वापसी होने जा रही है। प्राइम वीडियो ने आखिरकार आने वाले सीजन की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। उम्मीद है कि नया सीजन उनकी उलझी हुई लव लाइफ और पत्रकारिता के चुनौतीपूर्ण करियर से आगे की कहानी दिखाएगा। हाल ही में प्राइम वीडियो ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अनन्या बे के किरदार में एक स्टाइलिश आउटफिट पहने ऑटो-रिक्शा की छत पर लेटी हुई नजर आ रही हैं। क्लिप में वह कहती हैं, मैं बे हूं, मैं छा जाने के लिए आई हूं। खाओ, प्यार करो, प्रार्थना करो और आज के दिन का पूरा मजा लो। कैप्शन से पता चला कि नया सीजन 17 दिसंबर को रिलीज होगा। आने वाले सीजन में बे की लव लाइफ और भी उलझने वाली है, जिससे उसके दिल और उसके बहन कोड दोनों की परीक्षा होगी। कॉलिन डीकुन्हा द्वारा निर्देशित कॉल मी बे सीजन 2 को करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता ने धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। सोमेन मिश्रा और कॉलिन डीकुन्हा इसके एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं।

इशिता मोइत्रा द्वारा बनाई गई इस सीरीज को इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर, रोहित नायर और नितल चंदरना ने लिखा है। नए सीजन में पुरानी कास्ट की वापसी होगी, जिसमें अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। कॉल मी बे के दूसरे सीजन में श्रुति हासन की एंट्री होने वाली है। इसके अलावा, वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। दूसरे सीजन के बारे में बात करते हुए, प्रोड्यूसर करण जौहर ने कहा, सीजन 1 को मिले प्यार और रिस्पॉन्स ने यह साबित कर दिया कि दर्शक बे के उतार-चढ़ाव भरे सफर और जिंदगी को लेकर उसके बेबाक नजिरिए से गहराई से जुड़ गए थे। सीजन 2 के जरिए हम उस दुनिया को और आगे ले जाना चाहते हैं। इसमें हम बे के नए पहलुओं को दिखाएंगे, साथ ही उस मजाक, जज्बात और बेबाक अंदाज को भी बनाए रखेंगे, जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। हम प्राइम वीडियो के साथ फिर से जुड़कर दर्शकों के सामने बे की जिंदगी का एक नया पड़ाव लाने के लिए उत्साहित हैं।

इसमें बे और उसकी प्यारी सहेलियां एक ऐसे नए सफर पर निकलेंगी, जो हंसी-मजाक, भावनाओं और ढेर सारी उथल-पुथल से भरा होगा। यह सीरीज बेला बे चौधरी की कहानी है, जो दक्षिण दिल्ली की एक अमीर सोशलिट हैं। उनका आलीशान जीवन तब अचानक बदल जाता है, जब उनका परिवार उन्हें बेदखल कर देता है। इसके बाद उन्हें मुंबई में अपनी जिंदगी नए सिरे से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अनन्या पांडे को उनकी कॉमिक टाइमिंग और स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी के लिए काफी तारीफ मिली। कई दर्शकों को यह शो मनोरंजक, हल्का-फुल्का और एक बार में पूरा देख लेने लायक लगा। वीर दास को भी एक टीवी न्यूज एंकर के रूप में उनके अभिनय के लिए काफी सराहा गया।



अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर सोनम कपूर फिर चर्चा में

1936 की कलाकृति को अनामिका खन्ना ने दिया नया रूप

अभिनेत्री सोनम कपूर एक बार फिर अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। मुंबई में 17 नवंबर को आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर उन्होंने भारतीय कला और विरासत का खूबसूरत संगम पेश किया। सोनम ने इस खास मौके पर ऐसी पोशाक पहनी, जिसका कनेक्शन करीब 90 साल पुरानी एक पेंटिंग से है। उनकी साड़ी मशहूर भारतीय चित्रकार अमृता शेरगिल की साल 1936 में बनाई गई एक कलाकृति से प्रेरित थी। डिजाइनर अनामिका खन्ना ने इस ऐतिहासिक कलाकृति को आधुनिक फैशन का रूप दिया, जबकि सोनम की बहन रिया कपूर ने उनके पूरे लुक को स्टाइल किया। सोनम कपूर ने इस कार्यक्रम में गहरे हरे रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी थी। इसके साथ उन्होंने लंबे झुमके और पश्चिमी अंदाज का खास कोट कैरी किया। उनका यह लुक भारतीय परंपरा और आधुनिक फैशन का अनूठा मेल नजर आया। इस पोशाक के पीछे की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। दरअसल, अमृता शेरगिल ने साल 1936 में अपने चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का एक चित्र बनाया था। इसी पेंटिंग से प्रेरणा लेकर अनामिका खन्ना ने सोनम के लिए यह विशेष पोशाक तैयार की। रिया कपूर ने सोशल मीडिया पर इस लुक की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अमृता शेरगिल आधी भारतीय और आधी हंगेरियन थीं। उन्होंने पेरिस में कला की शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल किया था। हालांकि, बाद में भारत उनके जीवन और कला की प्रेरणा का प्रमुख केंद्र बन गया। अमृता की तरह उनके चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का जीवन भी दो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बीता था। उनका पालन-पोषण पटियाला में हुआ था और उन्हें पश्चिमी पहनावे का भी शौक था। बाद में उन्होंने पेरिस में प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर एल्सा शियापारेली के लिए मॉडलिंग भी की थी। अमृता शेरगिल ने अपने चित्र में सुमेर को गहरे हरे रंग की साड़ी पहने दिखाया था। उनके हाथ में सफेद फूलों का एक गुच्छा भी नजर आता है। इसी ऐतिहासिक चित्र की रंगत और शैली को ध्यान में रखते हुए अनामिका खन्ना ने सोनम का लुक तैयार किया। इस विशेष पोशाक में शुद्ध शिफॉन की साड़ी का इस्तेमाल किया गया है। साड़ी पर हरे रंग के अलग-अलग शेड्स हाथ से पेंट किए गए हैं। इसके साथ सिल्क वेलवेट का पश्चिमी शैली वाला कोट दिया गया है, जिसके किनारों पर बारीक जरदोजी का काम किया गया है। इस तरह भारतीय पारंपरिक पहनावे और पश्चिमी फैशन को एक साथ जोड़ा गया है। लगभग नौ दशक पुरानी पेंटिंग की प्रेरणा को आधुनिक अंदाज में पेश करना इस लुक की सबसे खास बात रही। सोनम कपूर अर्थशॉट प्राइज 2026 समारोह में प्रस्तुतकर्ता और अतिथि के रूप में शामिल हुई थीं। इस कार्यक्रम में ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन भी मौजूद थे। 17 नवंबर को मुंबई में आयोजित यह समारोह पहली बार भारत में हुआ।

प्रियंका ने याद किया अभिषेक संग शरारत

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने एक साक्षात्कार के दौरान अपने सह-कलाकार अभिषेक बच्चन के साथ की गई एक पुरानी और मजेदार शरारत को याद किया है। प्रियंका ने बताया कि एक बार उन्होंने अभिषेक का फोन छुपा दिया था और उससे अभिनेत्री रानी मुखर्जी को एक मैसेज भेजा।



गौरतलब है कि अभिषेक और रानी के अपने-अपने जीवनसाथी से शादी करने से पहले उनके बीच प्रेम संबंध होने की खबरें थीं। प्रियंका ने कहा कि अभिषेक ने ही सबसे पहले उनका फोन चुराकर इस शरारत की शुरुआत की थी, और उन्होंने इसे अभिषेक पर पलटवार करने का एक मौका समझा। प्रियंका ने अपने मैसेज में लिखा था, मुझे तुम्हारी याद आ रही है, तुम कहां थीं? क्या तुमज रानी मुखर्जी ने इसका जवाब देते हुए लिखा, हाय एबी, क्या हुआ है तुम्हें? बाद में यह बात सामने आई कि प्रियंका को इस घटना के बारे में जिसने बताया था, वह संभवत : अभिषेक ही थे।

ग्रीस में छुट्टियां मना रहे सैफरीना

बॉलीवुड की पसंदीदा जोड़ियों में से एक, करीना कपूर खान और सैफ अली खान इन दिनों ग्रीस में अपने परिवार के साथ छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे हैं। हाल ही में अभिनेता सैफ अली खान ने अपनी इंस्टाग्राम कहानियों पर इस फैमिली ट्रिप की कुछ मनमोहक झलकियां प्रशंसकों के साथ साझा कीं। इन तस्वीरों में कपल सूर्यास्त के खूबसूरत नज़ारे के सामने रोमांटिक अंदाज में पोज देते हुए एकदम परफेक्ट नजर आ रहा है। एक तस्वीर में सैफ अली खान एक साइनबोर्ड के सामने खड़े दिख रहे हैं, जिस पर सनसेट लिखा है। उन्होंने इसके साथ लिखा, अगर कोई शक हो तो। करीना के साथ अपनी फोटो पोस्ट करते हुए सैफ ने मजाकिया कैप्शन में लिखा, सनसेट तो मुख्य आकर्षण होना चाहिए था, लेकिन कोई मेरा ध्यान भटका रहा है। दूसरी तस्वीर में सैफ, पत्नी करीना और छोटे बेटे जेह के साथ एक प्यारी-सी सेल्फी ले रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर सीन ने की शानदार कमाई



बाक्स ऑफिस पर रामायण के बीच सीन ने भी शानदार कमाई कर रही है। दूसरे शनिवार को फिल्म ने शानदार कलेक्शन किया। यह फिल्म सूर्या के करियर की सेकंड हाइएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे शनिवार को 11.21 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 5 करोड़ का बिजनेस किया। फिल्म ने नौवें दिन टोटल 16.21 करोड़ का बिजनेस किया। वहीं आठवें दिन फिल्म ने 10.58 करोड़ का कलेक्शन किया था। दूसरे शनिवार को फिल्म की कमाई में 53.21 परसेंट की ग्रोथ दिखी। फिल्म ने इंडिया में नेट 126.8 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं फिल्म ने 149.63 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 78.7 करोड़ की बिजनेस किया। वर्ल्डवाइड फिल्म ने 228.33 करोड़ का बिजनेस किया। इसी के साथ सीन सूर्या के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन गई है। इस फिल्म ने विश्वनाथ एंड सन्स ने 212.23 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं सीन ने 228.33 करोड़ कमा लिए हैं। अब सीन से आगे करुप्पु है।सूर्या के करियर की टॉप 10 हाइएस्ट ग्रॉसर फिल्मों की बात करें तो इस लिस्ट में करुप्पु नंबर वन पर है। फिल्म ने 315 करोड़ कमाए। दूसरे नंबर पर सीन है। फिल्म ने 9 दिनों में 228.33 करोड़ कमाए। विश्वनाथ एंड सन्स ने तीसरे नंबर पर जगह बनाई है। इस फिल्म ने 212.23 करोड़ का बिजनेस किया। चौथे नबंर पर सिंघम 2 है। इस फिल्म ने 108.9 करोड़ कमाए। पांचवें नंबर 24 है। इस फिल्म ने 108.9 करोड़ का बिजनेस किया। छठें नंबर पर कंगुवा है। फिल्म ने 107.03 करोड़ का बिजनेस किया। सातवें नंबर पर 7 अमअरिवु है। फिल्म ने 105.2 करोड़ की कमाई की। आठवें नंबर पर सिंघम 3 है। इस फिल्म ने 104.6 करोड़ कमाए। नौवें नंबर पर रेट्रो है। इस फिल्म ने 9.48 करोड़ की कमाई की।

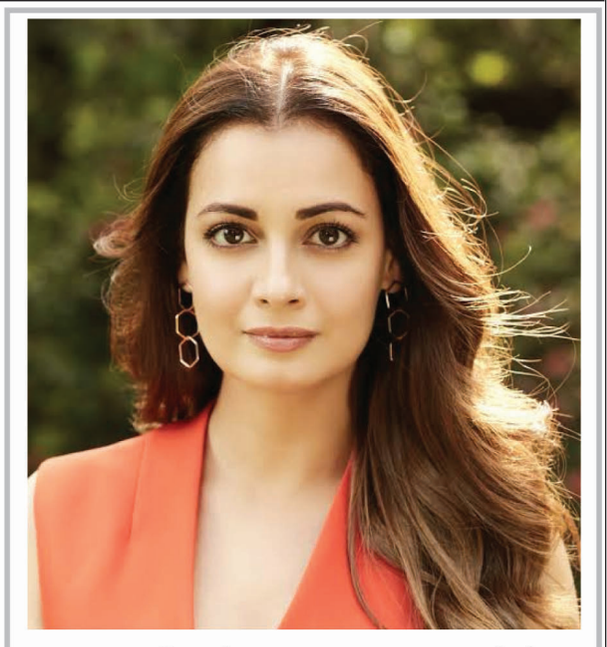

नवाजुद्दीन के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया दीया मिर्जा ने

अभिनेत्री दीया मिर्जा की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने मनोरंजन जगत में नई चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया है। दीया की इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर दोनों कलाकारों को लेकर बहस शुरू हो गई है। जहां कुछ लोग अभिनेत्री के समर्थन में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं, वहीं कई यूजर्स उनकी पोस्ट को किसी नए प्रोजेक्ट का प्रचार और प्रचार रणनीति बता रहे हैं। दीया मिर्जा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट साझा किया। इसमें उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के व्यवहार पर नाराजगी जाहिर की। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में अभिनेता को टैग करते हुए लिखा कि उनके साथ काम करना एक बुरे सपने जैसा अनुभव रहा। उन्होंने अभिनेता के बातचीत करने के तरीके और व्यवहार पर सवाल उठाते हुए उन्हें बेहद आपत्तिजनक व्यक्ति बताया। अभिनेत्री की इस टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया।

हालांकि, दीया मिर्जा ने अपनी पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्हें नवाजुद्दीन सिद्दीकी के किस व्यवहार से परेशानी हुई और यह अनुभव किस फिल्म या परियोजना से जुड़ा है। उन्होंने इस विवाद के पीछे की पूरी वजह भी साझा नहीं की है। दूसरी ओर, खबर लिखे जाने तक नवाजुद्दीन सिद्दीकी की ओर से भी इस टिप्पणी पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। पोस्ट सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ लोगों ने अभिनेत्री की बात को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले का संदर्भ जानने की इच्छा जताई। वहीं, कई यूजर्स ने इसे किसी आने वाली फिल्म, विज्ञापन या नए प्रोजेक्ट से जोड़कर देखा। उनका मानना है कि मनोरंजन जगत में कई बार कलाकारों की सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किसी परियोजना का प्रचार किया जाता है। ऐसे में दीया की इस टिप्पणी को लेकर भी कुछ लोगों ने संदेह जताया।



एक यूजर ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह भी प्रचार रणनीति का हिस्सा हो सकता है, क्योंकि आजकल सोशल मीडिया पर इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। एक अन्य यूजर ने दोनों कलाकारों के सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या की तुलना करते हुए प्रतिक्रिया दी। वहीं, एक यूजर ने कहा कि अब दर्शक प्रचार और वास्तविक विवाद के बीच अंतर समझने लगे हैं। कुछ यूजर्स ने यह भी कहा कि अगर कलाकार लगातार विवादों के जरिए अपने प्रोजेक्ट का प्रचार करेंगे, तो भविष्य में लोग उनकी वास्तविक समस्याओं और गंभीर शिकायतों को भी प्रचार समझकर नजरअंदाज कर सकते हैं। एक अन्य टिप्पणी में दीया की अभिनय क्षमता पर भी निशाना साधा गया। फिलहाल इस पूरे मामले में दीया मिर्जा की ओर से कोई विस्तृत स्पष्टीकरण नहीं आया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की प्रतिक्रिया का भी इंतजार है। दोनों कलाकारों के बीच विवाद की वास्तविक वजह सामने आने के बाद ही तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

जैकी श्रॉफ ने संघर्ष के दिनों में उधार लिए पांच रुपये लौटाए, अर्चना पूरन सिंह को दिए 500 रुपये

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ अपने बेबाक अंदाज और दरियादिली के लिए जाने जाते हैं। उनके संघर्ष के दिनों से जुड़ा एक पुराना किस्सा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इस कहानी में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह भी शामिल हैं। दरअसल, जैकी श्रॉफ ने कई साल पहले अर्चना से पांच रुपये उधार लिए थे। अब उन्होंने यह रकम दस गुना नहीं, बल्कि सौ गुना करके लौटाई है। अभिनेता ने पांच रुपये के बदले अर्चना को 500 रुपये दिए। इस घटना से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में है। यह किस्सा कपिल शर्मा के कॉमेडी शो के एक पुराने एपिसोड से जुड़ा है। उस कार्यक्रम में अर्चना पूरन सिंह ने जैकी श्रॉफ के संघर्ष के दिनों की कहानी सुनाई थी। उन्होंने बताया था कि जब दोनों अपने करियर में जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे, तब वे नेपियन सी रोड पर आसपास रहते थे। जैकी उस समय तीन बत्ती इलाके में रहते थे। अर्चना ने बताया कि जैकी का स्वभाव हमेशा से मददगार रहा है और वह जरूरतमंद लोगों की परेशानी देखकर उनकी सहायता करने के लिए आगे आ जाते थे।

अर्चना के मुताबिक, जब जैकी के सामने कोई जरूरतमंद व्यक्ति आ जाता और अपनी परेशानी बताता, तो अभिनेता तुरंत उसकी मदद करना चाहते थे। ऐसे में वह कई बार उनसे एक रुपया मांग लेते थे। अर्चना ने बताया कि उन्हें उस समय समझ नहीं आता था कि जैकी उनसे पैसे क्यों मांग रहे हैं, लेकिन वह उन्हें एक रुपया दे देती थीं। इसके बाद जैकी उस जरूरतमंद व्यक्ति को पैसे दे देते थे और बदले में उसे दुआएं मिलती थीं। अर्चना ने बताया कि उस समय दोनों ही संघर्ष कर रहे थे। उनके पास भी ज्यादा पैसे नहीं होते थे, लेकिन जैकी का दिल बहुत बड़ा था। वह अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा जरूरतमंदों की मदद में खर्च कर देते थे। इसी वजह से कई बार उनके पास खुद के खर्च के लिए पैसे कम पड़ जाते थे। जब जैकी श्रॉफ ने यह पुराना वीडियो देखा, तो उन्होंने अर्चना को पांच रुपये के बदले 500 रुपये लौटाए। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा कि पांच रुपये के बदले 500 रुपये। इस पर अर्चना ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह कपिल के शो में उनकी पहली कमाई है।

जैकी ने इस दौरान अपनी पुरानी आदत के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि जब उन्हें शूटिंग के बाद पैसे मिलते थे, तो रास्ते में मिलने वाले जरूरतमंद लोगों की मदद करने में वह रकम खर्च हो जाती थी। कभी किसी का घर जल गया होता, तो कभी किसी के परिवार में शादी होती या किसी के घर बच्चे का जन्म होने वाला होता। ऐसे मौकों पर वह अपनी क्षमता के अनुसार मदद करते थे। अभिनेता ने बताया कि कई बार प्रोडक्शन से जुड़े लोगों को भी पता होता था कि उस दिन उन्हें भुगतान मिलने वाला है। लेकिन घर पहुंचने तक वह पैसे लोगों की मदद में खर्च कर चुके होते थे। ऐसी स्थिति में उन्हें अर्चना से पैसे उधार लेने पड़ते थे। यह पुराना किस्सा एक बार फिर जैकी श्रॉफ की दरियादिली और अर्चना के साथ उनके पुराने रिश्ते को सामने लाता है।



विधायक डा0 सुरभि ने पूरी की जनगणना-2027 की स्वगणना, जिले के लोगों से की भागीदारी की अपील

घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज की परिवार की जानकारी, बोलीं- विकास योजनाओं के निर्धारण में जनगणना की अहम भूमिका

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



भारत की जनगणना-2027 को लेकर जिले में स्वगणना अभियान को गति देने के प्रयास शुरू हो गए हैं। इसी क्रम में कायमगंज की विधायक डॉ. सुरभि ने स्वयं अपनी स्वगणना की प्रक्रिया पूरी कर जनपदवासियों को इस राष्ट्रीय अभियान में भागीदारी का संदेश दिया।

स्वगणना अभियान में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने और आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से उप जिलाधिकारी न्यायिक कायमगंज विधायक के आवास पर पहुंचे। उन्होंने विधायक को स्वगणना पोर्टल पर निर्धारित विवरण भरने और ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से स्वगणना पूरी करने की जानकारी दी।

इस अवसर पर विधायक डॉ. सुरभि ने कहा कि भारत की जनगणना-2027 देश के भविष्य की विकास योजनाओं और नीतियों के निर्धारण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सड़क, पेयजल सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है।

उन्होंने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी है। सभी लोग निर्धारित समयावधि में स्वयं और अपने परिवार की सही जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कराएं।

विधायक ने जनपदवासियों से अपील की कि वे खुद स्वगणना करने के साथ ही अपने आसपास के लोगों, रिश्तेदारों और परिचितों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि जिले में शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

घर बैठे कर सकते हैं स्वगणना

भारत की जनगणना-2027 के अंतर्गत स्वगणना की सुविधा ऑनलाइन पोर्टल https://se.census.gov.in पर उपलब्ध कराई गई है। नागरिक निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए घर बैठे अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

जिला प्रशासन ने भी जनपदवासियों से इस राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

टीवी मैकेनिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम

फर्रुखाबाद। जिले के कायमगंज में एक 55 वर्षीय टीवी मैकेनिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मोहम्मद नियाज ने शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे चूहे मारने की दवा खा ली थी। उनकी हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बताया गया कि मोहम्मद नियाज कायमगंज के रहने वाले थे और टीवी मैकेनिक का काम करते थे। शुक्रवार दोपहर उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई।

आवारा कुत्तों ने डेढ़ वर्षीय मासूम को जंगल में घेरा, पुलिस ने सूझबूझ दिखाकर बचाई जान

घर से भटककर करीब पांच किलो मीटर दूर पहुंच गई थी बालिका कीर्ति, कुत्तों के भौंकने से दहशत में झाड़ियों की ओर चली गई बच्ची

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



घर में आयोजित कार्यक्रम की तैयारियों के बीच एक डेढ़ वर्षीय मासूम बालिका अचानक घर से भटककर गांव के बाहर जंगल की ओर पहुंच गई। इस दौरान आवारा कुत्तों ने उसे घेर लिया और उसके हाथ में रखे कटोरे में मौजूद नमकीन खाने के लिए उसके पीछे लग गए। कुत्तों के लगातार भौंकने से डरी-सहमी बच्ची झाड़ियों और जंगल की ओर चली गई। गनीमत रही कि समय रहते इसकी जानकारी पुलिस को मिल गई। सूचना मिलते ही पखना चौकी इंचार्ज बलवीर सिंह ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को सकुशल बचा लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र के ग्राम बनकटी निवासी शिवजीत सिंह परिहार के घर पर रविवार सुबह किसी कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान उनकी डेढ़ वर्षीय पुत्री कीर्ति कटोरे में नमकीन खा रही थी। खेलते-खेलते वह कब घर से निकलकर गांव के बाहर पहुंच गई, इसकी जानकारी परिजनों को नहीं हो सकी।

बताया जाता है कि बालिका गांव के बाहर गिट्टी-मौरंग की दुकान के पास पहुंच गई। वहां मौजूद आवारा कुत्ते उसके कटोरे में रखी नमकीन खाने के लिए उसके पीछे लग गए। कुत्तों के भौंकने से मासूम भयभीत हो गई और बचने के लिए गांव से दूर झाड़ियों तथा जंगल की ओर चली गई।

जानकारी के मुताबिक, बालिका सुबह करीब 9 बजे घर से निकली थी। करीब 10:45 बजे उसे जंगल में देखा गया। बताया जा रहा है कि वह घर से लगभग पांच किलोमीटर दूर पहुंच गई थी। कुत्तों के भौंकने और बच्ची के अकेले जंगल की ओर चले जाने की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई।

सूचना मिलते ही पखना चौकी इंचार्ज बलवीर सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना देर किए बच्ची को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया और पुलिस चौकी ले आए। इसके बाद बच्ची के परिजनों की तलाश शुरू की गई।

पुलिस ने बालिका की तस्वीर और उसके हुलिये की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से पत्रकारों तक पहुंचाई, ताकि जल्द से जल्द उसके परिवार का पता लगाया जा सके। पुलिस के प्रयासों से बच्ची के परिजनों की पहचान हुई और बाद में मासूम कीर्ति को उसके पिता शिवजीत सिंह परिहार के सुपुर्द कर दिया गया।

चौकी इंचार्ज बलवीर सिंह ने एफबीडी न्यूज को बताया कि बालिका के ऊपर आवारा कुत्तों के भौंकने की जानकारी मिलते ही वह तत्काल मौके पर पहुंचे। बच्ची को सुरक्षित बचाकर पुलिस चौकी ले आए और उसके परिवार की तलाश शुरू की। बाद में बालिका को उसके पिता के हवाले कर दिया गया।

इस घटना ने एक बार फिर गांवों और कस्बों में आवारा कुत्तों की समस्या तथा छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। जंगल और झाड़ियों के पास अकेली पहुंची मासूम के आसपास कुत्तों का भौंकना किसी गंभीर हादसे का कारण बन सकता था। हालांकि पुलिस की तत्परता से बच्ची को सकुशल बचा लिया गया और परिवार को बड़ी राहत मिली।

कमालगंज रेलवे स्टेशन से लापता हुआ किशोर, दो दिन से नही लगा सुराग

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



कमालगंज रेलवे स्टेशन से 15 वर्षीय किशोर आयुष शुक्ला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। वह घर से फर्रुखाबाद स्थित गुरुकुल जाने के लिए निकला था, लेकिन वहां नहीं पहुंचा। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। किशोर के दो दिन से लापता होने के कारण परिजन बेहद परेशान हैं। रविवार को परिजनों ने जीआरपी में शिकायत देकर किशोर की तलाश कराने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, 15 वर्षीय आयुष शुक्ला घर से फर्रुखाबाद स्थित गुरुकुल जाने के लिए निकला था। बताया जा रहा है कि वह कमालगंज रेलवे स्टेशन पहुंचा था, लेकिन इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका। निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंचने पर परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

दो दिन बीत जाने के बाद भी किशोर का पता नहीं चलने से परिवार की चिंता बढ़ गई है। परिजनों ने रविवार को रेलवे राजकीय पुलिस (जीआरपी) से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई और आयुष को जल्द तलाशने की मांग की। किशोर के अचानक लापता होने से परिवार के लोग परेशान हैं। परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे हुए हैं और उसके सुरक्षित वापस लौटने की उम्मीद कर रहे हैं।

शादी समारोह से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत, अस्पताल में तोड़ा दम

अज्ञात वाहन की टक्कर से हुआ गंभीर रूप से घायल, रविवार सुबह पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



शादी समारोह में शामिल होकर अपने मित्र के साथ घर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फर्रुखाबाद जिले के कमालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम चाचूपुर निवासी गुलाब अपने मित्र बालिस्टर के साथ कन्नौज जिले के छिबरामऊ में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। समारोह में शामिल होने के बाद दोनों अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गुलाब गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू किया। हालांकि हालत गंभीर होने के कारण उसकी जान नहीं बचाई जा सकी और अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए रविवार सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इस हादसे से चाचूपुर गांव में शोक का माहौल है। शादी समारोह की खुशियों से लौट रहे परिवार को युवक की मौत की खबर ने गहरे सदमे में डाल दिया।

ट्रांसफार्मर लदी डीसीएम खोखों में घुसी, एक की मौत, दो गंभीर घायल

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



फर्रुखाबाद के राजेपुर कस्बे में रविवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। दो ट्रांसफार्मर लदी डीसीएम अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे खोखों में जा घुसी। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, रविवार को दो ट्रांसफार्मर लदी डीसीएम कस्बा तिराहे की ओर से तेज रफ्तार में जा रही थी। राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास पहुंचते ही चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद बेकाबू डीसीएम सड़क किनारे लगे खोखों में जा घुसी। अचानक हुई इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में राजेपुर निवासी दिलीप पुत्र रमेश, राजेश पाल और बृजमोहन गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को तत्काल राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सक डॉ. हिमांशु राजपूत ने दिलीप को मृत घोषित कर दिया। वहीं, राजेश पाल और बृजमोहन की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे में दिलीप की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। तेज रफ्तार डीसीएम के अनियंत्रित होकर खोखों में घुसने से हुए इस हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं, जबकि दो अन्य लोग अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं।

उधमपुर-रजीपुर चौड़ीकरण का काम तेज, निर्माण कार्य ने पकड़ी रफ्तार

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



फर्रुखाबाद के कमालगंज ब्लॉक की न्याय पंचायत गदनपुर तुर्रा में उधमपुर-रजीपुर मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य में आरसीसी का काम पूरा होने के बाद अब दूसरे कोड का निर्माण भी एक तरफ लगभग पूरा हो चुका है। सड़क चौड़ीकरण का काम आगे बढ़ने से क्षेत्र के लोगों में बेहतर आवागमन की उम्मीद जगी है।

जानकारी के अनुसार, उधमपुर-रजीपुर मार्ग पर काफी समय से सड़क चौड़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। इसके तहत सड़क को बेहतर और चौड़ा बनाने के लिए निर्माण कार्य अलग-अलग चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में आरसीसी का निर्माण कार्य पूरा किया गया। इसके बाद दूसरे कोड का निर्माण शुरू कराया गया, जो अब एक तरफ लगभग पूरा हो चुका है।

इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीणों और वाहन चालकों का आवागमन होता है। सड़क चौड़ी होने से लोगों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी और वाहनों के आवागमन में भी आसानी होगी। खासकर आसपास के गांवों के लोगों को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है।

पीडब्ल्यूडी की ओर से चल रहे इस निर्माण कार्य के आगे बढ़ने से क्षेत्रीय लोगों में खुशी है। लोगों को उम्मीद है कि शेष निर्माण कार्य भी जल्द पूरा कराया जाएगा, जिससे मार्ग पूरी तरह बेहतर हो सकेगा।

स्थानीय लोगों की निगाहें अब सड़क के शेष निर्माण कार्य पर टिकी हैं। यदि कार्य निर्धारित समय में पूरा हो जाता है तो उधमपुर-रजीपुर मार्ग से गुजरने वाले लोगों को लंबे समय तक बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सकेगी।

गठबंधन केवल सत्ता हासिल करने का माध्यम न बने, विचारधारा और जनता के मुद्दे भी हों शामिल : सलमान खुर्शीद

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



पूर्व विदेश मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद रविवार को कायमगंज स्थित अपने आवास जाकिर महल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने देश की राजनीति, विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच हो रहे गठबंधन और कांग्रेस के इंडिया गठबंधन को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आज विभिन्न राजनीतिक दल अपने प्रभाव और दम पर सत्ता तक पहुंचने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। यही वजह है कि अलग-अलग संगठन और राजनीतिक दल दूसरे दलों के साथ समन्वय स्थापित कर सत्ता तक पहुंचने का रास्ता तलाश रहे हैं।

सलमान खुर्शीद ने कहा कि गठबंधन की राजनीति कोई नई बात नहीं है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार भी गठबंधन के सहारे चल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा को भी अपने दम पर सरकार बनाने की स्थिति से आगे बढ़कर सहयोगी दलों के साथ गठबंधन करना पड़ा है। आज भी गठबंधन की राजनीति भारतीय राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है।

उन्होंने कांग्रेस की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद पार्टी इंडिया गठबंधन के माध्यम से विपक्षी दलों को एकजुट करने का प्रयास कर रही है। हमारा पूरा प्रयास है कि सभी लोग मिलकर देश की सत्ता तक पहुंचें। हमें उम्मीद है कि वर्ष 2029 में जनता हमें अपना समर्थन देकर सत्ता में पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि जब बड़ी राजनीतिक पार्टियां गठबंधन कर रही हैं तो छोटी पार्टियां भी अपनी राजनीतिक भूमिका मजबूत करने के लिए गठबंधन का रास्ता अपना रही हैं।

हालांकि उन्होंने गठबंधन की राजनीति पर एक महत्वपूर्ण सवाल भी खड़ा किया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के बीच केवल सत्ता हासिल करने के लिए गठबंधन हो रहा है या फिर विचारधारा और नीतियों को लेकर भी आपसी सहमति है, यह समझना जरूरी है। गठबंधन करने वाले दलों को जनता के सामने अपनी विचारधारा और नीतियां स्पष्ट रूप से रखनी चाहिए, ताकि मतदाता यह समझ सके कि वह किन मुद्दों और सिद्धांतों के आधार पर किसी गठबंधन को समर्थन दे रहा है।

उन्होंने कहा कि यदि जनता को गठबंधन की विचारधारा और उसके उद्देश्य की जानकारी ही नहीं होगी और वह बिना समझे समर्थन देगी तो इससे लोकतंत्र कितना मजबूत होगा, यह बड़ा सवाल है। केवल एक सरकार को हटाकर दूसरी सरकार बैठा देने से व्यवस्था में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा। जनता को यह बताना जरूरी है कि सत्ता में आने के बाद उसके हित में क्या किया जाएगा और आम लोगों को क्या लाभ मिलेगा। गठबंधन की सफलता केवल सत्ता हासिल करने में नहीं, बल्कि जनता के लिए बेहतर विकल्प प्रस्तुत करने में है।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर सलमान खुर्शीद ने कहा कि दोनों पार्टियों के अंदर क्या बातचीत हुई है, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर समन्वय बना हुआ है। और कांग्रेस पार्टी का अपने अन्य पार्टियों में गठबंधन आज भी मजबूत है।

लाखों खर्च के बाद भी नहीं जल रहीं स्ट्रीट लाइटें, अंधेरे में हुआ दर्दनाक हादसा

किसान की मौत के बाद नगर पंचायत की प्रकाश व्यवस्था पर उठे सवाल, ईओ बोले- टीम भेजकर कराई जाएगी जांच

यूथ इंडिया, नवाबगंज



नगर पंचायत की ओर से नगर के प्रमुख मार्गों पर रोशनी की व्यवस्था के लिए लाखों रुपये खर्च कर लगवाई गई स्ट्रीट लाइटें देखरेख के अभाव में खराब पड़ी हैं। इसका नजारा शनिवार शाम मंझना मार्ग पर देखने को मिला। यहां करीब छह बजे बस की चपेट में आने से बाइक सवार किसान हरिनाथ सिंह (50) की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मार्ग पर अंधेरे और खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को लेकर नगर पंचायत की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम हरिनाथ सिंह नवाबगंज बाजार से सब्जी खरीदकर बाइक से घर लौट रहे थे। मंझना मार्ग पर बालाजी फिलिंग स्टेशन से करीब 100 मीटर आगे बस को ओवरटेक करने के दौरान उनकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। इसके बाद वह बस के नीचे आ गए और बस के पहिये उनके ऊपर से निकल गए। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना इतनी भीषण थी कि उनका शव क्षत-विक्षत हो गया था।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान नगर पंचायत की ओर से लगवाई गई स्ट्रीट लाइटों की खराब स्थिति भी चर्चा का विषय बन गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंझना मार्ग पर शाम होते ही कई स्थानों पर अंधेरा छा जाता है। नगर पंचायत ने लाखों रुपये खर्च कर स्ट्रीट लाइटें लगवाई थीं, लेकिन नियमित रखरखाव नहीं होने से लोगों को रोशनी का लाभ नहीं मिल रहा है।

लोगों का कहना है कि मंझना मार्ग प्रमुख रास्ता है। यहां से दिन और रात में बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। ऐसे में सड़क पर पर्याप्त रोशनी होना जरूरी है। यदि स्ट्रीट लाइटें चालू रहतीं तो वाहन चालकों को सामने से आने वाले वाहनों और सड़क की स्थिति देखने में आसानी होती। लोगों ने खराब लाइटों को जल्द ठीक कराने की मांग की है। हालांकि, हादसे की वजह स्ट्रीट लाइटों का खराब होना था या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

किसान की मौत के बाद नगर की प्रकाश व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब प्रमुख मार्गों पर ही लाइटें नहीं जल रही हैं तो अन्य मोहल्लों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। नगर पंचायत को सभी प्रमुख मार्गों और मोहल्लों में लगी लाइटों की जांच कराकर खराब लाइटों को ठीक कराना चाहिए। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि उन्हें स्ट्रीट लाइटों के खराब होने की जानकारी नहीं है। टीम भेजकर लाइटों की जांच कराई जाएगी। खराब लाइटों को ठीक कराने की व्यवस्था की जाएगी।

गड्ढों में तब्दील हुआ गांव जाने वाला रास्ता, ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी

शेखपुर गुमटी से गांव के अन्दर तक सड़क बदहाल

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



शेखपुरा गुमटी से गांव के अंदर जाने वाला रास्ता लंबे समय से बदहाली का शिकार है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि राहगीरों को संभलकर निकलना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस रास्ते से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना रहता है, इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से सड़क की मरम्मत नहीं कराई जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, शेखपुरा गुमटी से गांव के अंदर तक जाने वाली सड़क काफी समय से जर्जर हालत में पड़ी है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ती है। वहीं, पैदल चलने वाले लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की मरम्मत कराने के लिए कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। हर दिन इसी रास्ते से ग्रामीण अपने जरूरी कामों के लिए आते-जाते हैं। खराब सड़क के कारण लोगों का समय भी बर्बाद होता है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से सड़क की स्थिति का निरीक्षण कराकर जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सड़क को ठीक नहीं कराया गया तो आवागमन की समस्या और गंभीर हो सकती है।

अब देखना यह है कि ग्रामीणों की शिकायतों के बाद जिम्मेदार विभाग कब जागता है और बदहाल सड़क की मरम्मत कब तक कराई जाती है।